वर्ष-12 , अंक-33 प्रयागराज, रविवार 18 अगस्त 2024 से शनिवार 24 अगस्त 2024 तक — पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक

आधुनिक समाचार नेटवर्क

Download From

Adhunik Samachar

नगर संस्करण

12 वर्ष विश्वास के

आई.टी.आई में सीधे प्रवेश

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन भारत सरकार द्वार मान्यता प्राप्त नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र प्रवेश कार्यालय का सिविल डिफेंस प्रयागराज के मंडल अधिकारी रौनक गुप्ता के द्वार किया गया प्रशिक्षण केंद के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने बताया कि प्रयागराज मे न्यूनतम शुल्क मुझे प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। यहां इंडस्ट्रियल विजिट सेमिनार, ग्रुप डिस्कशन, आदि कराया जाता है जिसे प्रशिक्षणार्थियो का सर्वागिन विकास होता है. केंद गुणवत्ता परिषद द्वारा स्टार ग्रेडिंग प्राप्त है. केंद के कंप्यूटर शिक्षक रोहित शुक्ल ने बताया कि सरकार द्वार छात्रवृत्ति एवं टैबलेट की सुविधा उपलब्ध है प्रशिक्षणार्थियो को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है. मुख्य अतिथि ने नवीन प्रवेशार्थियो का स्वागत एवं उज्जवल भविष्य की कामना की अंतरराष्ट्रीय स्तर का है प्रयागराज नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण के द्-रौनक गुप्ता.इस अवसर पर निरीक्षक विजय पांडे, रोहित शुक्ला, सचिन श्रीवास्तव, मोहम्मद कौसर, प्रदीप जायसवाल आदि लोग उपस्थित रहें।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र.के छात्र रेलवे में चयनित

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद के चार छात्रो का सिकंदराबाद मे रेलवे मे चयनित होने पर संस्थान परिवार ने बधाई दी है। प्रयागराज करछना तहसील के नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद के चार छात्रों का रेलवे के धारा रेल प्रोजेक्ट सिकंदराबाद मे चयन होने से विद्यालय प्रबंधतंत्र द्वारा छात्र का सम्मान एवं अभिनन्दन किया। इस अवसर पर संस्थान के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने इन छात्रों का समारोहपूर्वक अभिनंदन एवं सम्मान करते हुये कहा कि यह विद्यालय के लिये गौरव की बात है।संस्थान के शिक्षक सदैव इस बात पर बल देते हैं कि छात्र अच्छा सीखे और अपने भविष्य को उज्ज्वल एवं सफल बनावें। उन्होंने भविष्य में और मेहनत व लगन से अध्यापन व अध्ययन करने हेतु शिक्षकों और छात्रों का आह्वान किया। इस अवसर पर केक काटकर केंद का स्थापना दिवस भी मनाया गया।

Admission Open 2024-25

श्री सत्यदेव दुबे (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भदोही

श्री सुजीत श्रीवास्तव (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नैनी, प्रयागराज

इं. अर्चना सरोज (ट्रेनिंग एवं पलेसमेन्ट, अधिकारी
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, खागा, फतेहपुर

- ★ C.O.P.A.
- ★ Fitter
- ★ Computer Teacher Training
- ★ Electrician
- ★ Fire Safety & Industrial Security
- ★ Repair of Refrigerator & A.C.
- ★ Welding Technology
- ★ Certificate in YOGA
- ★ Security Service
- ★ Computer Hardware& Maintenance

Naini ITC Honored by U.P. State Industrial Association

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: A seminar was organized by Uttar Pradesh State Industrial Association on Friday. In which Naini Industrial Training Center was honored with a citation by the association's president Arvind Rai for providing high quality skilled workers. Mohammad Kausar received the honor from the Centre. On this occasion, all the entrepreneurs of Prayagraj including Arinnd Rai Sheetal Plastics, Anat Chandra Ventura Private Limited, BLKHN Engineering Works, S Shukla, Overseas Food Agro Private Limited, union officials and all the industrialists were present.

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy

18.pmd 1 8/17/2024, 4:45 PM

गंगा-यमुना फिर उफान पर, 24 घंटे में 51 सेंटीमीटर बढ़ा जलस्तर, बाढ़ का खतरे से लोग भयभीत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज । सिंचाई बाढ़ खंड के कंट्रोल रूम की ओर से रात आठ बजे जारी बुलेटिन के मुताबिक गंगा-यमुना एक-एक सेंमी प्रति घंटा की रफ्तार से बढ़ रही हैं। इस दिन गंगा में हरिद्वार से 97022 क्यूसेक, नरोरा से 1,15,180 क्यूसेक और कानपुर बैराज से 2,55, 908 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। शनिवार को भी गंगा और यमुना के जलस्तर में वृद्धि जारी रही। गंगा-यमुना के जलस्तर में फिर से वृद्धि शुरू हो गई है। चौबीस घंटे के भीतर यमुना के जलस्तर में 51 सेंमी की वृद्धि दर्ज की गई है। यमुना फिलहाल दो सेंमी प्रति घंटा की रफ्तार से बढ़ रही हैं। इसी तरह गंगा के जलस्तर में भी 27 सेंमी की वृद्धि रिकॉर्ड की गई है। गंगा-यमुना में वृद्धि से एक बार फिर तटवर्ती इलाकों में बाढ़ का खतरा सताने लगा है। पहाड़ों से लेकर मैदानी इलाकों तक वर्षा के बाद गंगा-यमुना में फिर उफान आने लगा है। बृहस्पतिवार की सुबह आठ बजे यमुना का जलस्तर 78.98 मीटर रिकॉर्ड किया गया। जबकि, शुक्रवार की सुबह इसी समय बढ़कर 79.49 मीटर पर पहुंच गया। इसी तरह छतनाग में गंगा का जलस्तर जहां बृहस्पतिवार की सुबह78.43 मीटर था, वहीं इस दिन इसी समय पर 27 सेंमी वृद्धि के साथ 78.70 मीटर पर पहुंच गया। इसी तरह फाफामऊ में गंगा बृहस्पतिवार की सुबह जहां 81.27 मीटर पर थीं, वहीं 24 घंटे बाद शुक्रवार को 81.23 मीटर पर बहने लगीं।सिंचाई बाढ़ खंड के कंट्रोल रूम की ओर से रात आठ बजे जारी बुलेटिन के मुताबिक गंगा-यमुना एक-एक सेंमी प्रति घंटा की रफ्तार से बढ़ रही हैं। इस दिन गंगा में हरिद्वार से 97022 क्यूसेक, नरोरा से 1,15,180 क्यूसेक और कानपुर बैराज से 2,55, 908 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। शनिवार को भी गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ता रहा। गंगा जी श्री बड़े हनुमान मंदिर के पार्क तक पहुंच गई हैं। बजरंग बली को सनन कराने के बाद गंगा वापस हो गई थीं, लेकिन अब दोबारा गंगाजी श्री बड़े हनुमान मंदिर की तरफ बढ़ रही हैं। माना जा रहा है कि यही रफ्तार रही तो आज शाम या कल सुबह तक गंगा मंदिर में फिर प्रवेश कर सकती हैं।

पटरी पर रखी किसी भारी चीज से टकराया था ट्रेन का इंजन, रेलवे ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज । शुक्रवार देर रात ढाई बजे के आसपास कानपुर के गोविंदपुरी और भीमसेन के बीच गाड़ी संख्या 19168 साबरमती एक्सप्रेस के 22 कोच पटरी से उतर गए। बताया जा रहा है कि ट्रेन में 1641 यात्री सवार थे। रेलवे अफसरों का कहना है कि सभी यात्री सुरक्षित है। दुर्घटना के बाद वहां राहत एवं बचाव कार्य तेजी से चल रहा है।

घटनास्थल से बसों के माध्यम से यात्रियों को कानपुर ले जाया गया। साथ ही मेमू ट्रेन से भी यात्रियों को कानपुर पहुंचाया जा रहा है। कानपुर के भीमसेन और गोविंदुपरी स्टेशन के बीच साबरमती एक्सप्रेस के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक उपेंद्र चंद्र जोशी समेत तमाम वरिष्ठ अफसर मौके पर पहुंच गए। घटना स्थल का निरीक्षण करने के बाद महाप्रबंधक ने कहा कि पटरी पर रखी किसी भारी चीज से ट्रेन का इंजन टकराया है। उन्होंने कहा कि जांच टीम गठित कर दी गई है। रिपोर्ट आने के बाद ही दुर्घटना के कारण की वास्तविक वजह सामने आ पाएगी। फिलहाल घटनास्थल से बसों के माध्यम से यात्रियों को कानपुर ले जाया गया। साथ ही मेमू ट्रेन से भी यात्रियों को कानपुर पहुंचाया जा रहा है। बता दें कि शुक्रवार देर रात ढाई बजे के आसपास कानपुर के गोविंदपुरी और भीमसेन के बीच गाड़ी संख्या 19168 साबरमती एक्सप्रेस के 22 कोच पटरी से उतर गए। बताया जा रहा है कि ट्रेन में 1641 यात्री सवार थे। रेलवे अफसरों का कहना है कि सभी यात्री सुरक्षित है। दुर्घटना के बाद वहां राहत एवं बचाव कार्य तेजी से चल रहा है उधर मौके पर रेलवे ने साबरमती के यात्रियों को कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पहुंचाने के लिए मेमू ट्रेन एवं बसों का इंतजाम किया। 500 से ज्यादा यात्री कानपुर पहुंच जा चुके थे। एनसीआर के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि यात्रियों के खाने पीने का प्रबंध रेलवे की ओर से किया गया। इसमे किसी भी प्रकार जान माल की कोई क्षति नहीं हुई है ना ही किसी के घायल होने की सूचना है। वहीं दूसरी इस मामले में रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी एक्स पर पोस्ट करके ट्रेन के किसी भारी चीज से टकराने की बात कही है। इसमे किसी भी प्रकार जान माल की कोई क्षति नहीं हुई है ना ही किसी के घायल होने की सूचना है।

परिजन बोले फ्लैट की किश्त और बच्चों की फीस भी नहीं जमा कर पाए थे करुणा शंकर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज । गांधी इंटर कॉलेज में करीब 20 वर्ष पर करुणा शंकर की सहायक अध्यापक के पद पर तैनात हुए थे। कार्यवाहक प्रधानाचार्य भी रहे। पिछले साल सड़क हादसे में

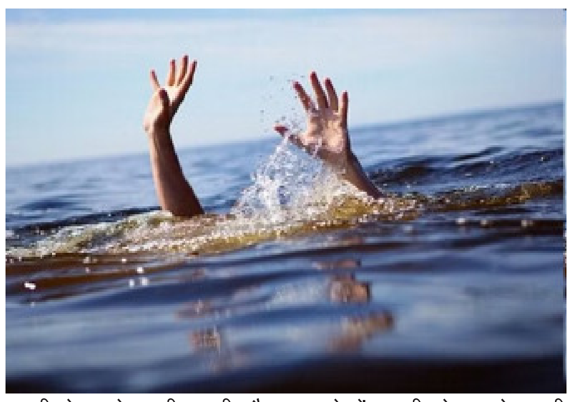

जख्मी हो गए थे। पतनी माधवी और बड़े भाई दयाशंकर शुक्ल का आरोप है कि कॉलेज प्रबंधन उन्हें परेशान करने लगा। सिटीजन हाउसिंग सोसाइटी के फ्लैट नंबर 201 में पतनी माधवी, बेटे एकलव्य व बेटी वैष्णवी के साथ रहने वाले करुणा शंकर शुक्ल आर्थिक तंगी के दौर से गुजर रहे थे। बड़े भाई दयाशंकर शुक्ल के मुताबिक, सप्ताह भर पहले फोन पर हुई बात में वेतन रोकने की बात बताई थी। इससे फ्लैट की किश्त और बच्चों की फीस भी जमा नहीं हो पाई थी। पिता वासुदेव शुक्ल भी बीमार हैं। वह उनके साथ गांव में रहते हैं। गांधी इंटर कॉलेज में करीब 20 वर्ष पर करुणा शंकर की सहायक अध्यापक के पद पर तैनात हुए थे। कार्यवाहक प्रधानाचार्य भी रहे। पिछले साल सड़क हादसे में जख्मी हो गए थे। पतनी माधवी और बड़े भाई दयाशंकर शुक्ल का आरोप है कि कॉलेज प्रबंधन उन्हें परेशान करने लगा। हादसे की जानकारी के बावजूद उन्हें गैरहाजिर किया गया। इससे उनका वेतन रुक गया और फ्लैट की किश्त और बच्चों की फीस नहीं दे पाए। राशन तक उधार लेना पड़ रहा है। इससे वह तनाव में थे। गांधी इंटर कॉलेज के प्रबंधक बसंत लाल पाल का कहना है कि करुणा शंकर शुक्ल का कोई शोषण नहीं किया गया। वह मनचाहे छुट्टियां ले रहे थे। दो बार उनके आचरण के कारण ही निलंबित करना पड़ा था। सड़क हादसे के बाद से करुणा शंकर का दिमागी संतुलन बिगड़ गया था, वह बीमार थे। उन्होंने अपनी सभी तरह की छुट्टियां खत्म कर ली थीं। अवकाश खत्म होने के बावजूद नहीं आने से ही उनका वेतन कटा है। जुलाई में वेतन सभी कर्मचारियों का रुका है, सिर्फ उन्हीं का नहीं है। बृहस्पतिवार को बैठक करके प्रधानाचार्य को वेतन जारी करने का निर्देश दिया है।मुझे बताया गया है कि उनका घरेलू विवाद था, जिसके कारण वह मानसिक रूप से परेशान थे। इलाज के लिए ले जाते वक्त यह दुखद घटना हुई है। वेतन रुकने की शिकायत उन्होंने संयुक्त निदेशक से की थी, जिसकी उसकी जांच चल रही है। उनकी छुट्टी को लेकर भी कुछ शिकायतें थी। फिलहाल मामले की जांच कराई जा रही है। - पीएन सिंह, डीआईओएस माध्यमिक शिक्षक संघ के मंडलीय मंत्री अनुज पांडेय ने कॉलेज प्रबंधन और प्रधानाचार्य पर मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया। कहा, चार साल तक कार्यवाहक प्रधानाचार्य रहने के बावजूद उन्हें निलंबित किया गया। हादसे के कारण अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान वेतन काटा गया। जुलाई में वेतन वृद्धि रोकी गई। अभी वेतन भी नहीं मिला। इसके लिए कॉलेज प्रबंधन और अधिकारी जिम्मेदार हैं।

17 साल से फरार चल रहे ठगी के आरोपी बंटी और बबली गुजरात से गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज । अपनी कंपनी में नौकरी के नाम पर यह दंपती बड़ी संख्या में लोगों से लाखों रुपये की ठगी कर 2007 में फरार हो गए थे। पुलिस 17 साल से इन्हें खोज रही थी। दोनों के ऊपर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया। जार्जटाउन में नौकरी के नाम पर लाखों की ठगी कर फरार हुए 50-50 हजार के इनामी बंटी-बबली शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिए गए। 17 साल से फरार नैनी अमित श्रीवास्तव व उसकी पतनी शिखा श्रीवास्तव को एसटीएफ ने गुजरात के अहमदाबाद से पकड़ा। दोनों वहां छिपकर फरारी काट रहे थे। ट्रांजिट रिमांड बनवाकर दोनों को प्रयागराज लाया जा रहा है।एसटीएफ को थाना जार्जटाउन धोखाधड़ी व अन्य आरोपों में दर्ज मुकदमे में वांछित दंपति अमित व शिखा के गुजरात के जनपद अहमदबाद में छिपकर रहने की सूचना प्राप्त हुई थी। इस पर एक टीम ने वहां पहुंचकर दोनों को शिवान्ता अपार्टमेन्ट से गिरफ्तार कर लिया। एसटीएफ के मुताबिक, पूछताछ में अमित ने बताया कि उसने जार्जटाउन में इन्फोकान्स कन्सलटेन्टस प्राइवेट लिमिटेड नाम से एक कम्पनी खोली थी। वह इसका मैनेजिंग डायरेक्टर और उसकी पतनी शिखा सह डायरेक्टर थी।एसटीएफ को थाना जार्जटाउन धोखाधड़ी व अन्य आरोपों में दर्ज मुकदमे में वांछित दंपति अमित व शिखा के गुजरात के जनपद अहमदबाद में छिपकर रहने की सूचना प्राप्त हुई थी। इस पर एक टीम ने वहां पहुंचकर

दोनों को शिवान्ता अपार्टमेन्ट से गिरफ्तार कर लिया। एसटीएफ के मुताबिक, पूछताछ में अमित ने बताया कि उसने जार्जटाउन में इन्फोकान्स कन्सलटेन्टस प्राइवेट लिमिटेड नाम से एक कम्पनी खोली थी।

शादी होने तक बेटी को पिता से गुजारा भत्ता पाने का अधिकार, पिता की याचिका खारिज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज । यूपी के हाथरस जिले के रहने वाले अवधेश सिंह की शादी 1992 में उर्मिला देवी से हुई थी। 25

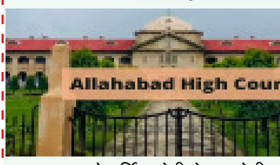

जून 2005 को उर्मिला देवी ने एक बेटी को जन्म दिया है। परिवार ने बेटी का नाम गौरी नंदिनी रखा वह। साल 2009 में अवधेश और उर्मिला के रिश्ते खराब हो गए। अवधेश ने उर्मिला को बेटी समेत घर से निकाल दिया। इसके बाद उर्मिला ने हाथरस कोर्ट में भरण पोषण के लिए केस दाखिल किया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में कहा है कि हिंदू पिता को बेटी का खर्च तब तक उठाना पड़ेगा, जब तक उसकी शादी नहीं हो जाती। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि बेटी के बालिग होने के आधार पर पिता उसके भरण पोषण का खर्च बंद नहीं कर सकता। हाईकोर्ट ने इस मामले में टिप्पणी करते हुए कहा है कि देश के कानून से पहले धर्म शास्त्रों में दिए गए नियमों में एक हिंदू पुरुष को हमेशा अपने बच्चों का भरण पोषण करने के लिए नैतिक रूप से जिम्मेदार माना गया है।

हड़ताल से पांचवें दिन भदोही, सोनभद्र व चित्रकूट सहित कई जिलों के 1800 मरीज लौटे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज । कार्य बहिष्कार कर धरने पर बैठे चिकित्सकों ने सिर्फ इमरजेंसी सेवाएं ही बहाल रखीं। हालांकि मेडिसिन, यूरोलॉजी, न्यूरोलॉजी सहित कुछ ओपीडी चलीं, लेकिन यहां पर नए की जगह रूटीन मरीजों को ही देखा गया। कोलकाता की घटना से नाराज रेजिडेंट डॉक्टरों ने पांचवें दिन भी हड़ताल जारी रखी। इसकी वजह से भदोही, सोनभद्र, चित्रकूट, जौनपुर, बांदा, प्रतापगढ़ व कौशाम्बी सहित कई जिलों के करीब 1800 मरीजों को लौटना पड़ा। शुक्रवार को यूरोलॉजी, न्यूरोलॉजी, हड्डी रोग, सर्जरी, ईएनटी, स्त्री रोग, पल्मोनरी, कैंसर सर्जरी व प्लास्टिक सर्जरी में इक्का-दुक्का छोड़ कोई ओटी नहीं हो सकी कोलकाता की घटना से नाराज रेजिडेंट डॉक्टरों ने पांचवें दिन भी हड़ताल जारी रखी। इसकी वजह से भदोही, सोनभद्र, चित्रकूट, जौनपुर, बांदा,

प्रतापगढ़ व कौशाम्बी सहित कई जिलों के करीब 1800 मरीजों को लौटना पड़ा। शुक्रवार को यूरोलॉजी, न्यूरोलॉजी, हड्डी रोग, सर्जरी, ईएनटी, स्त्री रोग, पल्मोनरी, कैंसर सर्जरी व प्लास्टिक सर्जरी में इक्का-दुक्का छोड़ कोई ओटी नहीं हो सकी। वहीं, रजिस्ट्रेशन हॉल के दोनों दरवाजों को बंद कर दिया गया। इसकी वजह से पूरे दिन रजिस्ट्रेशन नहीं शुरू किए जा सके। ओटी में भी चिकित्सकों की हड़ताल का असर दिखा। जहां गंभीर मरीजों का ही ऑपरेशन किया गया। बाकी सभी ओटी को हड़ताल के चलते टाल दिया गया। प्राचार्य वत्सला मिश्रा ने मांगी सुरक्ष अस्पताल के बिगड़ते महौल को देख एमएलएन मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉ.वत्सला मिश्रा ने एसआरएन पुलिस चौकी के प्रभारी विवेक राय को पत्र भेजकर सुरक्षा की मांग की है। उन्होंने अस्पताल परिसर संग इमरजेंसी मेडिसिन, इमरजेंसी सर्जरी, ट्रामा, इमरजेंसी व रजिस्ट्रेशन काउंटर पर सुरक्षा के प्रबंध करने की मांग की है।

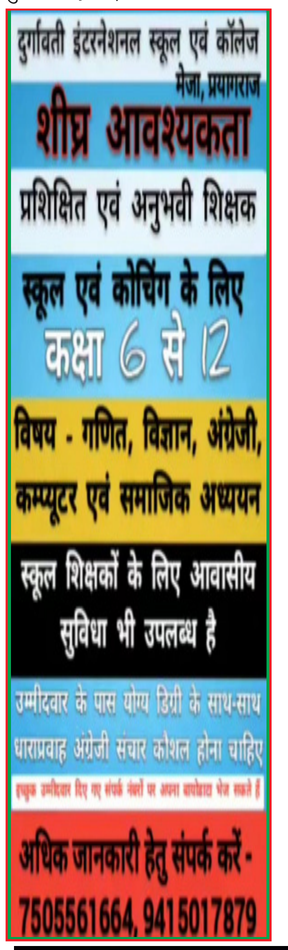

महिला मोर्चा ने निकाली मौन कैंडिल मार्च

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। कोलकाता में लेडी डॉक्टर के साथ हुई घटना से आक्रोश, मुंह पर पट्टी बांध किया विरोध कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ हुई दर्दनाक घटना से देश भर के डॉक्टर सड़कों पर उतर गए हैं। अब भाजपा महिला मोर्चा भी डॉक्टरों के समर्थन में उतर गई है। शुक्रवार को नैनी में महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री डॉ. कीर्तिका अग्रवाल की अगुवाई में मौन कैंडिल यात्रा निकाली गई। सरगम चौराहे से निकली यह यात्रा भीमराम अंबेडकर की प्रतिमा स्थल तक गई। इसमें सभी महिलाएं अपने मुंह पर काली पट्?टी बांधकर और हाथों में कैंडिल लेकर चल रही थीं। यहां पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए गए। मुख्य अतिथि के रूम में मौजूद प्रदेश महामंत्री डॉ. कीर्तिका ने कहा कि लेडी डॉक्टर के साथ बहुत ही घिनौनी हरकत हुई है। हम सब महिलाएं इसका विरोध करते हैं। महिला की कोई जाति नहीं होती है, एक महिला का अपना एक सम्मान होता है। इस घटना से पूरे देश की महिलाओं में आक्रोश है। महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष वानति जी के नेतृत्व में पूरे देश में हम लोग मौन कैंडिल मार्च निकाल कर पीड़ित परिवार के साथ न्याय करने की मांग भी करते हैं।इस मौके पर ष्ठष्ठष्ठजिला अध्यक्ष सविता मिश्रा जिला उपाध्यक्ष कल्पना तिवारी जिला उपाध्यक्ष शोभा द्विवेदी जिला उपाध्यक्ष शालिनी श्रीवास्तव ,आस्था पांडे ,सुमन गौतम, मंडल अध्यक्षमिथिलेश सिंह, जिला मीडिया प्रभारीआरती सिंह जिला मंत्री शर्मिला सिंह, विभा सिंह, आदि उपस्थित रहीं।

विभिन्न समुदाय ने राष्ट्रपति नामित सौपा पत्र

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। कलेक्ट्रेट परिसर में विरोध प्रदर्शन करते हुए डीएम को सौपा पत्र । पूरे कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे हिदायतुल्ला खान ने बताया कि उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं पूर्व सांसद मोहम्मद आजम खान पर निराधार झूठे, मनगढ़ंत मुकदमा तथा फर्जी कानूनी कार्यवाही किए जाने के परिवार के विरूद्ध फर्जी एवं झूठे मुकदमे कायम करके पूरे परिवार को प्रताडि.त करने एवं निराधार व मनमानी कार्यवाहियों के जरिये सजा दिलाने के षड्यन्त्र में मण्डल एवं जनपद के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों का षडयंत्र है जो कि मोहम्मद आजम खाँ की छवि एवं राजनीति को धूमिल करके नुकसान पहुंचाने के इरादे रखते हैं। है। लगभग 76 वर्षीय मोहम्मद आजम खान का संपूर्ण जीवन जन सेवा से जुड़ा रहा है तथा एक कर्मठ एवं ईमानदार राजनेता की हैसियत से उनकी पहचान रही है आप देश के सर्वोच्च पद पर आसीन है, आपसे हम निवेदन करते हैं कि देश के एक वरिष्ठ राजनीतिज्ञ मोहम्मद आजम खान के साथ होने वाले इस घोर

संबंध में। आपके संज्ञान में लाना है कि उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं वरिष्ठ राजनीतिज्ञ मोहम्मद आजम खाँ पर जनपद उत्तर प्रदेश के प्रशासन द्वारा लगभग 180 फर्जी झूठे एवं निराधार मुकदमे लगाए गए हैं तथा द्वेष की भावना से प्रशासन एवं पुलिस की सांठ-गांठ व मिली भगत से सरासर फर्जी एवं मनगढ़ंत मुकदमा में सजा दिलाई जा रही है। खेद का विषय है कि शासन एवं प्रशासन की यह द्वेषपूर्ण एवं बदले की कार्यवाही माननीय मोहम्मद आजम खाँ के पूरे परिवार के खिलाफ की गई है। मोहम्मद आजम खां की पतनी सेवानिवृत प्रोफेसर श्रीमती तंजीम फातिमा के विरुद्ध भी इसी प्रकार के झूठे एवं फर्जी मुकदमे लगाये गये हैं। प्रोफेसर तंजीम फातिमा राज्य सभा एवं उ0प्र0 विधान सभा की सदस्य भी रह चुकी हैं, इसी प्रकार माननीय मोहम्मद आजम खाँ के पुत्र अब्दुल्ला आजम खाँ जो कि जनपद रामपुर के स्वार टाण्डा विधान सभा क्षेत्र से दो बार विधायक चुने जा चुके हैं, पर भी फर्जी एवं झूठे मुकदमे कायम किये गये हैं। मोहम्मद आजम खां एवं उनके मण्डल एवं जनपद के कुछ अधिकारियों के इसी द्वेषपूर्ण रवइये एवं साजिशों के कारण माननीय मोहम्मद आजम खां दो साल से अधिक की जेल की यातना पूर्व में भुगत चुके हैं तथा अभी भी लगभग 11 महीने से जेल में हैं। प्रोफेसर तंजीम फातिमा भी लगभग दो साल की जेल की यातना भुगत चुकी हैं एवं उनके पुत्र अब्दुल्ला आजम खाँ दो साल की जेल की यातना पूर्व में भुगतने के बाद अभी भी लगभग 11 महीने से जेल में हैं।मोहम्मद आजम खान एक वरिष्ठ राजनीतिज्ञ है जो की रामपुर सदर विधान सभा क्षेत्र से 10 बार विधायक चुने जा चुके हैं। 1996 से 2002 तक राज्यसभा सदस्य रहे तथा 2019 में लोकसभा सदस्य निर्वाचित हुए। मोहम्मद आजम खान 1989, 1993, 2003 तथा 2012 में उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री भी रहे। मोहम्मद आजम खान ने अपनी लंबी राजनीतिक सेवाओं के साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी बहुमूल्य योगदान दिया है। कई माध्यमिक शिक्षण संस्थानों के साथ रामपुर में मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय की स्थापना की अन्याय एवं फर्जी, निराधार और झूठी कार्रवाइयों को संज्ञान में लेकर राजनीतिक एवं व्यक्तिगत द्वेष की भावना से मोहम्मद आजम खान पर किए जा रहे अत्याचार के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही करने का कष्ट करें। भारत एक न्याय प्रिय देश है। आप भारत गणराज्य के सर्वोच्च पद पर आसीन हैं, जो कि हर प्रकार की राजनीति से बहुत ऊपर है। हम आपसे न्याय की रक्षा एवं सुरक्षा की अपेक्षा करते हैं। कार्यकम के नेतृत्वकर्ता हिदायत उल्लाह खान के साथ तनवीर खान हाजी आरिफ़, फारुक अली, नज़मुद्दीन, सुरज़ मिश्रा,खुर्शीद आलम, मुस्तफ़ा,विनीत सरोज़, पियूष यादव ,गुलाम यासीन,हरिशंकर विश्वकर्मा,राजा बीडीसी शीतल,नशरुद्दीन शाहिद फैयास ,ङतब्ज़ील जिलानी कादिर,हिफाज़त अलीङरमेश यादव अंशु मदेशिया इलियास,सरदार दिलकरन सिंह, भानुप्रताप बियार, सुशील राय,मुमताज़ शेख,रियासत अली,सुहैल कुरैशी कमरुद्दीन आदि लोग शामिल थे।

विषैले जंतु के डसने से बालक की मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। क्षेत्र के वन इमलिया गांव में शुक्रवार को घर के बाहर खेल रहे बालक को विषैले जंतु ने काट

लिया। काफी देर तक परिजनों को पता नहीं चला। जानकारी मिलने पर इलाज के लिए ले जाते समय उसकी मौत हो गई। वन इमलिया गांव निवासी सुनील भारती का छह वर्षीय पुत्र सत्यम घर के बाहर दरवाजे के पास खेल रहा था। तभी किसी विषैला जंतू ने उसे काट लिया। इसकी जानकारी काफी देर बाद परिजनों को हुई। जब तक उसे इलाज के लिए ले जाते तब तक उसने दम तोड़ दिया था। थानाध्यक्ष बृजेश सिंह ने बताया कि बालक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

काली पट्टी बांधकर किया कार्य, आज 24 घंटे हड़ताल पर रहेंगे डॉक्टर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। कोलकाता मेडिकल कॉलेज की महिला रेजिडेंट डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या के देशव्यापी विरोध के तहत मिर्जापुर जिले के प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ, आईएमए, नीमा, आईडीए, आईएचए और अन्य चिकित्सकों ने बृहस्पतिवार को काली पट्टी बांध कर कार्य किया। शाम को विभिनन संगठनों से जुड़े चिकित्सकों ने कैंडिल मार्च निकाला। निजी संगठनों के डॉक्टर 17 अगस्त को 24 घंटे के हड़ताल पर रहेंगे।मेडिकल कॉलेज के अधीन मंडलीय अस्पताल के ओपीडी, इमरजेंसी और अन्य स्थान पर कार्यरत डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ के साथ अन्य कर्मचारियों ने कालीपट्टी बांध कर कार्य किया। मंडलीय अस्पताल में प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ के सचिव डॉ. सुनील सिंह ने सीएमएस डॉ. एसके उपाध्याय को काली पट्टी बांधी। इसके बाद अन्य ओपीडी हड्डी, सर्जरी, फिजिशीयन, आई, ईएनटी, बाल रोग विशेषज्ञ, मनोचिकित्सक आदि कक्ष में डॉक्टर और कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधी।शाम को आईएमए, नीमा, आईडीए, आईएचए संगठन के सदस्य व अन्य चिकित्सकों ने बरियाघाट मार्ग के पास एक अस्पताल में श्रद्धांजलि सभा कैंडिल मार्च निकाला। कैंडिल मार्च मण्डलीय अस्पताल पहुंचा। वहां पर मंडलीय चिकित्सालय अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा गया। आईएमए के सचिव डॉ. एसएन पाठक ने कहा कि डॉक्टर के हत्यारों को फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाकर जल्द से जल्द फांसी दी जाए। इस अवसर पर आईएमए के अध्यक्ष डा. अशोक कुमार सिंह, डा. अनिल श्रीवास्तव, डा. अमित अग्रवाल, डा. अरविंद श्रीवास्तव, डा. एके सिंह, डा. नितिन दुबे, डा. नीरज त्रिपाठी, डा. संजय मुसद्दी, डा. अंजनी श्रीवास्तव आदि रहे।

ग्राम पंचायत कुडवा में भूमि संरक्षण विभाग के तहत निर्माण कार्यों में भारी अनियमितता, ग्रामीणों ने की उच्चस्तरीय जाँच की मांग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
कोन / सोनभद्र । नव सृजित विकास खण्ड के ग्राम पंचायत कुडवा में भूमि संरक्षण विभाग के तहत विगत आठ महीनों से गाँवों में बंधी निर्माण का कार्य चल रहा था जो अभी बरसात के कारण ठप पड़ा है।ग्रामीणों का पीपरखाड़ , धरनवा, पड़रछ, गुलरिया आदि जगहों पर कार्य कराया जा रहा है जिसमें ग्राम पंचायत कुडवा में लगभग 50,60 की संख्या पुरानी बंधी पर फर्जी तरीके से मशीनों द्वारा कार्य कराने के बदले मजदूरों के नाम पर फर्जी भुगतान किये जाने का किया। विभाग के इस तरह के कृत्य से ग्रामीणों में रोष ब्याप्त है। मिली जानकारी के अनुसार संबंधित विभाग द्वारा गाँव में प्रधान की उपस्थिति में समिति गठन करके कार्य कराया गया है जिसमें चंद लोगों को अध्यक्ष आदि मनोनीत किया गया जिसके आड़ में

आरोप है कि भूमि संरक्षण विभाग (कृषि विभाग) से संबंधित ब्यक्ति सुदेश प्रजापति और कुछ स्थानीय संबंधित अध्यक्ष व अन्य लोगों की मिलीभगत से ग्रामीणों के खाते में धन डलवाया गया था जिससे संबंधित विभाग के स्थानीय अधिकारी द्वारा ग्रामीणों को गुमराह करके उनके द्वारा धन निकासी कराकर लगभग 80 प्रतिशत धन उनके द्वारा ले लिया गया जब स्थानीय लोगों ने उक्त विभाग से संबंधित अधिकारी (कर्मचारी)से सवाल किया तो बताया गया कि यह लोन का पैसा है जो वसूली नहीं होगा वहीं दूसरी तरफ ग्रामीणों ने किसी भी तरह का लोन लेने से इंकार किया है। ऐसे ही भूमि संरक्षण विभाग से कचनरवा, आरोप है ऐसे ही अन्य ग्राम पंचायतों में हो रहा है। जिससे संबंधित विभाग के स्थानीय कर्मचारी व अधिकारी द्वारा माननीय मुख्यमंत्री के आदेश जीरो टॉलरेंस की नीति को ध्वस्त करते हुए इन अधिकारियों व भर्स्टाचारियों द्वारा माननीय मुख्यमंत्री जी के आदेशों को सरेआम ठेंगा दिखाया जा रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार भूमि संरक्षण विभाग से संबंधित ब्यक्ति सुदेश प्रजापति मोबाइल नम्बर - से सम्पर्क किया गया तो उन्होंने धन उगाही जैसे मामले से इंकार किया और उनके विभाग में संबंधित विभाग में किस पद पर आसीन हैं जैसे प्रशन किये जाने पर कुछ भी बताने से साफ तौर पर इंकार फर्जी तरीके से सरकारी धन का बंदर बाँट किया गया जिससे आदिवासी दलित अशिक्षित भोली भाली जनता अपने को ठगा महसूस कर रहा है और लोगों के जेहन में धन को लेकर भय पैदा हो गया है जिसे लेकर स्थानीय लोगों द्वारा जोरदार प्रदर्शन किया गया। ग्रामीण गंगा यादव, विजय, लालमन , सुरेंद्र कुमार, महेंद्र कुमार, नरेश, गम्भिरा, विजय, जानसाह आदि दर्जनों लोगों ने माननीय जिलाधिकारी महोदय को शिकायती पत्र प्रेषित करते हुए उपरोक्त प्रकरण की उच्चस्तरीय जाँच किये जाने की मांग के साथ दोषी के खिलाफ कठोर कार्यवाही की मांग की है।

मिस फेयरवेल प्रथम बनी खुशबू ,द्वितीय वैशाली

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। विन्ध्य कन्या पी0जी0 कालेज राबर्ट्सगंज सोनभद्र में बी0एड0 चतुर्थ सेमेस्टर की छात्राओं का शनिवार को विदाई समारोह बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ महाविद्यालय के चीफ ट्रस्टी डॉ0 अजय सिंह द्वारा सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया तत्पश्चात् छात्राओं द्वारा नृत्य, गीत, भजन, नाटक, एकांकी आदि की शानदार प्रस्तुति कर छात्राओं को तालियां बजाने को विवश कर दिया। छात्राओं में मुख्य रूप से खुश्बू, सन्हो, वैशाली, शैलजा, श्रीयांशी, आदि ने प्रतिभाग किया। सिनियर छात्राओं ने अपने यादगार लम्हों को जूनियर छात्राओं से साझा किया तथा अनुभवो को कभी न भुलने वाला बताया। प्राचार्या डॉ अंजली विक्रम सिंह ने बच्चो के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाए दी तथा छात्राओं को सफलता के मंत्र भी दिये। उन्होने कहा कि खुश रहने, दूसरो की तारीफ करने और अहंकार मुक्त रहने वाला व्यक्ति जीवन में कभी भी असफल नही हो सकता। छात्राओं को विदाई देते समय उनकी भी आँखे नम हो गयी। कार्यक्रम के अन्त में चीफ ट्रस्टी डॉ0 अजय सिंह ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि जीवन में अनुशासित रह कर हर सफलता अर्जित की जा सकती है। इस अवसर पर डॉ0 कैलश नाथ, मनीष, विनीता केशरी, पंकज सिंह, अनीष, रजनीकान्त, पिंकी, कीर्ति व सभी शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहें।

दंपति हत्याकांड का खुलासा नहीं होने से परिजनों में भय व आक्रोश व्याप्त विभिन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।रावटसगंज नगर के ब्रह्म नगर में बीते दिनों हुए दंपत्ति के हत्या को लेकर परिजनों समेत विभिनन सामाजिक संगठनों द्वारा जिला अधिकारी कार्यालय पर धरना प्रदर्शन कर सीबीआई जांच के मांग के साथ पांच सूत्री मांगों का ज्ञापन सोपा गया जनपद मुख्यालय स्थित ब्रह्म नगर में धर्मेंद्र पटेल व उनकी पतनी मंजू का घर में घुसकर बेदहमी से किए गए हत्याकांड का खुलासा नहीं होने से परिजनों व स्थली रहवासियों में भय व आक्रोश व्याप्त है हत्याकांड का खुलासा करते हुए मृत दंपत्ति के परिजनों को मुआवजा देने तथा हत्यारों को फांसी की सजा दिए जाने की मांग को लेकर शनिवार को विभिनन सामाजिक संगठन द्वारा क्लेक्ट्रेड पर धरना प्रदर्शन किया गया बताते चलें कि बीते शनिवार को धर्मशाला चौक के पास कोतवाली से 500 मीटर दूर ब्रह्म नगर निवासी बिल्डिंग मटेरियल व्यवसाय धर्मेंद्र पटेल व उनकी पतनी मंजू की निर्मम से हत्या से समूचे शहर में अपरा तफरी मच गई है घटना के 8 दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस प्रशासन द्वारा इसका खुलासा नहीं किए जाने से नगर व्यवसाइयों में भारी आक्रोश व्याप्त है और लोग भयभीत है परंतु पुलिस द्वारा अभी तक इसका पर्दाफाश नहीं किया जा सका हैं धरना प्रदर्शन में डॉक्टर लोकपति सिंह , पूर्व सनतक एमएलसी प्रत्याशी अरविंद सिंह व देशराज पटेल ने कहा कि जनपद सोनभद्र की निमन्यम हत्या में अभी तक 8 दिन भी जाने के बाद भी शहर में खौफ का माहौल फैला हुआ है जिले के प्रशासन को कोई सुराख नहीं मिला नगर में दहशत का माहौल है जिससे कि जनपद सोनभद्र में विभिनन सामाजिक संगठन संघर्ष के लिए आमादा है विवेक सिंह पटेल, पवन पटेल व मुकेश तरंग ने संयुक्त रूप से कहा कि हम सभी सीबीआई जांच की मांग को लेकर पीडि.ति परिवार को न्याय दिलाने के लिए आंदोलन रत हैं फिर भी अभी कोई खुलासा नहीं हुआ है जिसे लेकर समाज में आक्रोश व्याप्त है अगर 48 घंटे के अंदर प्रशासन असफल होती है तो सीबीआई जांच को सौंप दे मामला हत्यारों का अभी तक कोई खुलासा नहीं हुआ है इस बात के बाबत आक्रोश अब सड़कों पर दिखेगा राम भरोसे सिंह, प्रसनन पटेल,सुमन पटेल, शीतल पटेल व संतोष पटेल जी ने संयुक्त रूप से कहा कि इस मामला का खुलासा होना चाहिए और जल्द से जल्द को फांसी मिलनी चाहिए आगर जिला प्रशासन असफल है तो सीबीआई जांच करके पीडि.ति परिवार को न्याय देना चाहिए अगर 2 दिन के अंदर खुलासा नहीं होता तो आंदोलन का उग्र रूप लेते हुए आमरण अनशन पर विभिनन संगठन के लोग बैठेंगे ! उक्त अवसर पर विभिनन सामाजिक संगठन का नाम भारतीय किसान यूनियन सोनभद्र, व्यापार मंडल सोनभद्र,राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग, भारत मुक्ति मोर्चा, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्री महासभा एवं विभिनन सामाजिक संगठन उक्त अवसर पर उपस्थिति लोग सियाराम सिंह, सुनीलपटेल,रमेश पटेल, सत्यम पांडेय सपा,केडी पटेल, बाबूलाल, अनूप विकास, सुजीत,विजय, राजवान,अशोक, पप्पू, पिंटू, रामराज,दीपू,अखिल, सूरज, प्रदीप, पंकज, प्रतीक, रितिक, संतोष, साविशा, शुभाम, दिलीप,वीरू,दीपक,आशु, कृष्णाइत्यादि 500 लोग उपस्थित रह।

बेटे ने मां को तड़पा-तड़पा कर उतारा मौत के घाट, फिर पेट्रोल छिड़ककर जलाया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक बेटे ने मामूली विवाद के बाद मां को बेरहमी से सिर कूचकर मौत के घाट उतार दिया। इससे भी उसका जी नहीं भरा तो मां को कपड़े में लपेटकर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। सोनभद्र जिले के बभनी थाना क्षेत्र के बचरा गांव में खौफनाक वारदात हुई। बकरी बेचने से मना करने पर कलयुगी बेटे ने हथौड़े से सिर कूचकर मां की हत्या कर दी। शव को कपड़े में लपेटकर उस पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। ग्रामीणों के पहुंचने पर आरोपी फरार हो गया। पुलिस ने अधजले शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया ह बचरा गांव निवासी कमलेश देवी (50) के पति सत्यनारायण की आठ साल पहले मौत हो चुकी है। वह अपने बेटे और बहू के साथ रहती थी। उसने कुछ बकरा और बकरी पाल रखे थे। बेटा किशुन बिहारी उसे बेचना चाहता था। शुक्रवार को उसने एक व्यापारी को भी बुला लिया, लेकिन मां ने बेचने से इनकार कर दिया। जिस पर मां-बेटे के बीच कहासुनी हुई। इसके बाद बेटा कहीं चला गया। रात करीब आठ बजे किशुन बिहारी घर आया। उसने घर में रखा हथौड़ा लेकर मां के सिर पर प्रहार कर दिया। सिर पर तब तक वार करता रहा जब तक तड़प-तड़प कर मां ने दम न तोड़ दिया। चंद मिनटों में मां को उसने मौत की नींद सुला दी। इससे भी जी नहीं भरा तो मां के शरीर को कपड़े से लपेटकर पेट्रोल छिड़क कर आग लगा दी। घर से आग की लपटें उठती देख ग्रामीण उस ओर दौड़े। घटना की जानकारी हुई तो लोगों के पैरों तले जमीन खिसक गई। सूचना पाकर पीआरबी 112 की टीम मौके पर पहुंची और आग को बुझाया। थाने से उप निरीक्षक अभय नाथ सिंह फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए। पुलिस ने अधजले शव को कब्जे में ले लिया और थाने ले आई। एसओ सदानंद राय ने बताया कि मृतका के भाई सुखदेव ने बेटे और बहू के खिलाफ तहरीर दिया है। घटना की छानबीन की जा रही है। उच्चाधिकारियों को भी अवगत करा दिया गया है। शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी भेजा जा रहा है।

खाद्यय पदार्थों की जांच में लिए गए 11 नमूने

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। त्योहारों को देखते हुए खाद्य और औषधि सुरक्षा विभाग ने संदेह होने पर खाद्य पदार्थों की जांच कर नमूना लेना शुरू कर दिया है। शुक्रवार को खाद्य पदार्थों के 11 नमूने लिए गए। सहायक आयुक्त खाद्य डॉ. मंजुला सिंह के नेतृत्व में अभियान चलाया गया। इसमें कछवां तिराहा के पास से बेसन के लड्डू का नमूना लिया गया। इसी स्थान की अन्य तीन दुकानों से छेना की मिठाई का भी नमूना लिया गया। इसी प्रकार संडवा से बेसन का नमूना लिया गया। सरैया से बर्फी का और पतारकला से खोवा का नमूना लिया गया।इसी प्रकार लालगंज से पेड़ा का नमूना लिया गया। डॉ. मंजुला सिंह ने बताया कि 14 अगस्त से 19 अगस्त तक खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। खाद्य और औषधि सुरक्षा विभाग का सचल दल लगातार भ्रमण करता रहता है। भ्रमण के दौरान जांच और छापे मारने का काम किया जाता है। इस अवसर पर राजेश मौर्य, विवेक कुमार मौर्य, संदीप श्रीवास्तव, भइयालाल आदि थे।

दारानगर गांव में डायरिया से एक ही परिवार के दो की मौत, 23 बीमार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। राजगढ़ विकास खंड क्षेत्र के दारानगर ग्राम पंचायत में डायरिया फैलने से एक ही परिवार के दो लोगों की बुधवार की देर रात मौत हो गई है। डायरिया पीडित 23 लोग बीमार हो गए। इसमें तीन को सीएचसी ले जाया गया। पांच का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। 15 लोगों को सूचना पर बृहस्पतिवार की सुबह गांव पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम ने दवा वितरण किया। डायरिया से बचाव के लिए सुझाव दिया।विकास खंड के दारानगर गांव में दूषित पानी पीने व गंदगी फैलने से लगभग 25 लोग डायरिया की चपेट में आ गये। बुधवार की देर रात एक ही परिवार के दो लोगों की मौत हो गई। दारानगर गांव निवासी 29 वर्षीय सुनील उर्फ बुल्लूर व परिवार की 24 वर्षीय गर्भवती गुंजा की मौत हो गई। इसी परिवार की 30 वर्षीय ममता की डायरिया से हालत बिगड़ने पर मंडलीय अस्पताल में भर्ती किया गया है। डायरिया से पीडित 24 वर्षीय रोशनी और 40 वर्षीय संतोष को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रायगढ़ में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है।पांच का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। इसके अलावा गांव निवासी कंचन, प्रियंका, राम सजीवन, रमाशंकर, विमला, प्रियंका, मंगला प्रसाद, दुर्गा प्रसाद, कविता, मीरा, बनारसी समेत 15 लोगों को बृहस्पतिवार को पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम ने दवा वितरण किया। पीडि.त मरीजों को साफ-सफाई रखने व पानी उबाल कर पीने, उल्टी-दस्त होने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने का सलाह दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि सफाई कर्मी गांव में दिखाई नहीं देते। जिससे गांव में पेयजल स्रोतों के पास गंदगी फैली हुई है।क्षेत्र के कुड़ी गांव में एक सप्ताह से फैली डायरिया की चपेट में कई लोग आ चुके हैं।

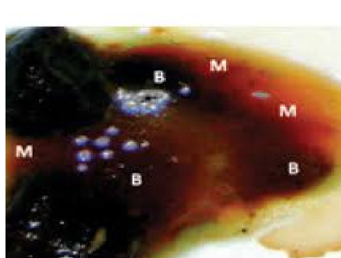

देश/विदेश

मेरा देश भारत

संक्षिप्त समाचार

1 अक्टूबर से लागू हो रहे शेयर बायबैक के नए नियम, निवेशकों पर क्या होगा असर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बजट 2024 के भाषण में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया था कि शेयर बॉयबैक पर नया टैक्स सिस्टम लागू होने वाला है। नए नियम 1 अक्टूबर 2024 से लागू होंगे। नए नियम के तहत अगर कोई निवेशक को शेयर बॉयबैक से फायदा मिलता

है तो उसे डिविडेंड माना जाएगा। अब डिविडेंड के आधार पर टैक्स लगाया जाएगा। शेयर बायबैक में जितनी राशि शेयरधारक को मिलेगी उसी हिसाब से पूंजीगत लाभ या हानि की गणना की जाएगी।इस साल जुलाई में पेश हुए यूनियन बजट में वित्त मंत्री ने शेयरों की बॉयबैक से हुई इनकम पर टैक्स लगाने का प्रस्ताव पेश किया था। इसके तहत शेयर की पुनर्खरीद से होने वाली आय को लाभांश के रूप में माना जाएगा। इस नए टैक्स सिस्टम के तहत शेयर बायबैक को कंपनी का अतिरिक्त आमदनी आ जाएगा और उस पर टैक्स लगाया जाएगा। इन नए नियमों को लेकर विशेषज्ञों का कहना है कि इससे निवेशकों का बोझ बढ़ सकता है और शेयर बायबैक में भी कमी आ सकती है।शेयर बायबैक के नए नियम निवेशकों के लिए फायदे और नुकसान दोनों ला सकते हैं। विभावंगल अनुकूलकारा प्राइवेट लिमिटेड के फाउंडर एंड मैनेजिंग डायरेक्टर सिद्धार्थ मौर्य ने कहा कि नए नियमों के तहत कंपनियों को बायबैक की प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता और नियमों का पालन करना होगा। इससे निवेशकों को फायदा होगा क्योंकि उन्हें अधिक स्पष्टता मिलेगी कि कंपनियां किस तरह से बायबैक कर रही हैं और इसका उनके निवेश पर क्या प्रभाव पड़ेगा। सिद्धार्थ मौर्य ने यह भी बताया कि इन नियमों के कारण कंपनियों को बायबैक की प्रक्रिया में अधिक समय लग सकता है।

एंप्लॉयमेंट लिंक्ड इंसेंटिव से एमएसएमई में बढ़ेगी मैन्युफैक्चरिंग की हिस्सेदारी, क्या रोजगार के मौके भी बढ़ेंगे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए गत जुलाई पेश बजट में वित्त मंत्रालय ने एंप्लॉयमेंट लिंक्ड इंसेंटिव (ईएलआई) स्कीम की घोषणा की है। इससे एमएसएमई में मैन्युफैक्चरिंग की हिस्सेदारी बढ़ सकती है। एमएसएमई को अब सरकार की घोषित स्कीम के नोटिफिकेशन का इंतजार है ताकि वे नई भर्ती शुरू कर सके। एमएसएमई का कहना है कि मैन्युफैक्चरिंग की कुल लागत में श्रम लागत की हिस्सेदारी अहम

होती है। सरकार की ईएलआई स्कीम से लागत में कमी आएगी और उद्यमी मैन्युफैक्चरिंग पर फोकस कर सकेंगे। मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक देश में अब भी 6.33 करोड़ एमएसएमई है और इनमें 31 प्रतिशत हिस्सेदारी मैन्युफैक्चरिंग की है।बजट में घोषित नई स्कीम के मुताबिक पहली बार किसी को नौकरी देने पर पहले महीने की 15000 रुपए तक की तनख्वाह सरकार देगी। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में रोजगार देने पर चार साल तक पहली बार भर्ती हुए उस कर्मचारी की भविष्य निधि (पीएफ) में पूरा योगदान सरकार देगी। मतलब कर्मचारी की तरफ से और रोजगार देने वाले दोनों की तरफ से सरकार उस कर्मचारी का पीएफ देगी। पिछले दस सालों से अभी अधिक समय से सरकार एमएसएमई की संख्या 6.33 करोड़ बता रही है।

मरीजों के लिए अगले 24 घंटे अहम इमरजेंसी सेवाएं ठप; आईएमए ने सरकार के सामने रखीं पांच प्रमुख मागें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज की ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या मामले को लेकर पूरे देश में भारी गुस्सा है, पांच मांगें रखी। इन मांगों में रेजिडेंट डॉक्टरों के काम करने और रहने की स्थिति में बदलाव और कार्यस्थलों पर डॉक्टरों के खिलाफ हिंसा की जांच के लिए एक केंद्रीय कानून बनाना आईएमए ने यह भी सुझाव दिया है कि कोरोना के दौरान लागू किए गए अध्यादेश जैसा ही अध्यादेश इस स्थिति में उपयुक्त होगा। डॉक्टरों के संगठन ने एक निश्चित समय-सीमा

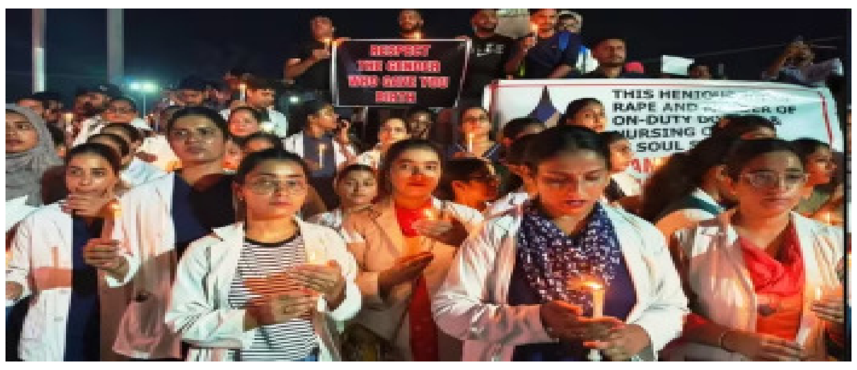

जिसने एक बड़े विरोध-प्रदर्शन का रूप ले लिया है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने हत्या के विरोध में शनिवार यानी 17 अगस्त को सुबह 6 बजे से 24 घंटे के लिए नॉन-इमरजेंसी मेडिकल सेवाओं को बंद रखने का एलान किया है शनिवार सुबह छह बजे से रविवार सुबह छह बजे तक डॉक्टर हड़ताल पर रहेंगे। इस दौरान अस्पतालों में ओपीडी और नियमित सर्जरी बंद रखने की अपील की गई है। छोटे प्राइवेट अस्पताल, नर्सिंग होम के अलावा कॉरपोरेट अस्पतालों में भी डॉक्टर हड़ताल पर रहेंगे।वहीं, हड़ताल के बीच शुक्रवार को आईएमए ने सरकार के सामने शामिल है।आईए जानते हैं कि इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की वो पांच प्रमुख मांगे कौन सी हैं?आईएमए ने रेजिडेंट डॉक्टरों के कामकाज और रहने की स्थिति में बड़े पैमाने पर बदलाव की मांग की है। इसमें 36 घंटे की ड्यूटी शिफ्ट और आराम करने के लिए सुरक्षित स्थानों की कमी शामिल है। आईएमए ने एक केंद्रीय अधिनियम के लिए जोर दिया है जो 2023 में महामारी रोग अधिनियम 1897 में किए गए संशोधनों को 2019 के प्रस्तावित अस्पताल संरक्षण विधेयक में शामिल करेगा। एसोसिएशन का मानना है कि इस कदम से 25 राज्यों में मौजूदा कानून मजबूत होंगे। में अपराध की सावधानीपूर्वक और पेशेवर जांच करने के साथ ही न्याय देने की मांग की है। इसके अलावा आईएमए ने 14 अगस्त की रात को आरजी कर अस्पताल कैंपस में तोड़फोड़ करने वालों की पहचान करने और उन्हें कठोर सजा देने की भी मांग की है। आईएमए की मांग है कि सभी अस्पतालों के सुरक्षा प्रोटोकॉल किसी एयरपोर्ट से कम नहीं होने चाहिए। अस्पतालों को अनिवार्य सुरक्षा अधिकार के साथ सुरक्षित क्षेत्र घोषित करना पहला कदम है। सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा कर्मियों की तैनाती और प्रोटोकॉल का पालन किया जाए।

जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में चुनाव का शंखनाद, घाटी में अनुच्छेद-370 हटने के बाद होगा पहला चुनाव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।जम्मू-कश्मीर विधानसभा के बहुप्रतीक्षित चुनाव का आखिरकार एलान हो गया है जो तीन चरणों में होंगे। अनुच्छेद-370 हटने के बाद राज्य में यह पहला विधानसभा चुनाव होगा। इसके साथ ही निर्वाचन

आयोग ने हरियाणा के विधानसभा चुनाव भी कराने का एलान किया है, जो सिर्फ एक चरण में होगा। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 18, 25 सितंबर और एक अक्टूबर होगा, जबकि हरियाणा विधानसभा के लिए मतदान एक अक्टूबर होगा। दोनों राज्यों के नतीजे चार अक्टूबर को घोषित होंगे। आयोग ने हाल ही में दोनों राज्यों का दौरा कर चुनावी तैयारियों को जांचा था। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने सहयोगी चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार एवं डा. सुखवीर सिंह संधू की मौजूदगी में शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर व हरियाणा विधानसभा चुनाव का एलान किया। मुख्य चुनाव आयुक्त के मुताबिक जम्मू-कश्मीर के पहले चरण की 24 विधानसभा सीटों के लिए नामांकन 20 अगस्त से शुरू हो जाएगा। आयोग ने हाल ही में दोनों राज्यों का दौरा कर चुनावी तैयारियों को जांचा था। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने सहयोगी चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार एवं डा. सुखवीर सिंह संधू की मौजूदगी में शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर व हरियाणा विधानसभा चुनाव का एलान किया। मुख्य चुनाव आयुक्त के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर के पहले चरण की 24 विधानसभा सीटों के लिए नामांकन 20 अगस्त से शुरू हो जाएगा। वहीं दूसरे चरण की 26 विधानसभा सीटों के लिए नामांकन 29 अगस्त से और तीसरे चरण की 40 विधानसभा सीटों के लिए नामांकन पांच सितंबर से शुरू होगा। वहीं हरियाणा की सभी 90 विधानसभा सीटों के लिए नामांकन पांच सितंबर से शुरू होगा। आयोग ने सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए हैं। साथ ही चुनाव के दौरान प्रत्याशियों सहित राजनीतिक दलों के सभी पदाधिकारियों को सुरक्षा मुहैया कराए जाने की जानकारी भी दी। आयोग ने बताया कि राज्य के दौरे के दौरान राजनीतिक दलों ने यह मांग रखी थी।

दिल्ली पहुंचे चंद्रबाबू नायडू पीएम मोदी और गृह मंत्री शाह से आज करेंगे मुलाकात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार दिल्ली पहुंचे हैं। शनिवार को उनके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पुनर्निर्माण के लिए केंद्रीय सहायता और समर्थन की मांग कर रही है। केंद्र ने राज्य की नई राजधानी के विकास के लिए केंद्रीय बजट में 15000 करोड़ रुपये की घोषणा की है। इस दौरान पोलावरम सिंचाई

सहित अन्य केंद्रीय मंत्रियों से भी मिलने की संभावना है। राजग की प्रमुख भागीदार तेदेपा कर्ज में डूबे आंध्र प्रदेश के पुनर्निर्माण के लिए केंद्रीय सहायता और समर्थन की मांग कर रही है। केंद्र ने राज्य की नई राजधानी के विकास के लिए केंद्रीय बजट में 15,000 करोड़ रुपये की घोषणा की है। इससे पहले नायडू केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से मुलाकात की। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार दिल्ली पहुंचे हैं। वह आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गृह मंत्री अमित शाह और वित्त मंत्री से मिलेंगे। राजग की प्रमुख भागीदार तेदेपा कर्ज में डूबे आंध्र प्रदेश के परियोजना को पूरा करने में तेजी लाने के तरीकों पर चर्चा की। गोदावरी नदी पर बन रहे बांध की डायाफ्राम दीवार के क्षतिग्रस्त होने के कारण परियोजना में देरी हो रही है। घंटे भर चली बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए राज्य के जल संसाधन मंत्री निम्माला रामानायडू ने कहा कि इस बात पर विस्तृत चर्चा हुई कि क्या क्षतिग्रस्त डायाफ्राम दीवार की मरम्मत की जाए या एक नया निर्माण किया जाए। साथ ही परियोजना को समय से पूरा करने के लिए पुरानी एजेंसी को शामिल किया जाए या नई एजेंसी को काम पर लगाया जाए इस पर भी चर्चा हुई।

चीनी नागरिकों के साथ मिलकर चला रहे थे सट्टेबाजी का एप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। ईडी ने ऑनलाइन सट्टेबाजी और गेमिंग एप के जरिये 400 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के संबंध में चार एप फ्रॉड मामले में ईडी ने बड़ा एक्शन लिया है । जांच एजेंसी ने चार लोगों को इस मामले में गिरफ्तार किया है जोकि कथित तौर पर कुछ चीनी

लोगों को गिरफ्तार किया है। चीनी नागरिक यह एप कथित तौर पर कुछ भारतीयों के साथ मिलकर चला रहे थे। ईडी ने शुक्रवार को बयान में बताया कि अरुण साहू, आलोक साहू, चेतन प्रकाश और जोसेफ स्टालिन को फिएविन नामक एप से संबंधित मामले में मनी लॉन्ड्रिंग रोधी कानून के तहत पकड़ा गया है। मनी लॉन्ड्रिंग का यह मामला कोलकाता के एक पुलिस स्टेशन में ऑनलाइन गेमर्स के साथ धोखाधड़ी को लेकर दर्ज प्राथमिकी पर आधारित है। ऑनलाइन सट्टेबाजी और गेमिंग नागरिकों के साथ मिलकर ये एप चला रहे थे। इसके जरिये 400 करोड़ रुपये से अधिक का फ्रॉड करने का आरोप है। यह प्राथमिकी अज्ञात लोगों के विरुद्ध दर्ज की गई थी। ईडी ने यह नहीं बताया कि इन लोगों को कब गिरफ्तार किया गया, लेकिन कहा कि कोलकाता की एक विशेष अदालत ने इन लोगों को 14 दिनों के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया है। ईडी ने पोंजी स्कीम चलाकर धोखाधड़ी करने वाली एक कंपनी की 29 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति जब्त की है।

सेमीकंडक्टर व बुलेट ट्रेन परियोजना पर होगी भारत-जापान में बात, 20 सितंबर को दोनों देशों के बीच टू प्लस-प्लस वार्ता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारत और जापान अपने सैन्य, आर्थिक व कूटनीतिक रिश्तों के रोडमैप की समीक्षा करने जा रहे हैं। दोनों देशों के बीच संबंधों को

गहराने के लिए गठित व्यवस्था टू-प्लस-टू वार्ता के तहत तीसरे दौर की वार्ता अगले हफ्ते मंगलवार (20 अगस्त, 2024) को होने वाली है। इसके पहले वर्ष 2019 और वर्ष 2022 में यह वार्ता हुई थी। इन मुद्दों पर होगी वार्ता दोनों देशों के रक्षा व विदेश मंत्रियों की बैठक को द्विपक्षीय रिश्तों को दिशा देने के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण माना जाता रहा है। इस बार की बैठक में सेमीकंडक्टर और बुलेट ट्रेन परियोजना की समीक्षा के साथ ही हिंद प्रशांत क्षेत्र में सहयोग के एजेंडे पर भी बात होगी। इसके अलावा रक्षा संबंधों के नये आयामों पर भी बात होगी।08 सितंबर, 2022 को दूसरी टू प्लस टू वार्ता में रक्षा संबंधों को लेकर काफी महत्वाकांक्षी रोडमैप बना था, लेकिन उस पर अभी तक प्रगति कोई खास नहीं रही है। भारत और जापान के बीच यह बैठक तब हो होने जा रही है जब जापान में राजनीतिक अस्थिरता फिर से हावी है। पीएम फुमिया किशिदा ने इस्तीफा देने की घोषणा की है और वहां जल्द ही नये प्रधानमंत्री की नियुक्ति की जानी है। ऐसे में मौजूदा कामीकावा योको और रक्षा मंत्री मीनोरू कीहारा के भी बदले जाने की संभावना है। वैसे भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने को लेकर जापान में राजनीतिक सहमति है।

यूपी और बिहार में उपचुनाव का क्यों नहीं हुआ एलान निर्वाचन आयोग ने दिया जवाब

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर व हरियाणा विधानसभा चुनावों के साथ राजनीतिक दलों को वायनाड

लोकसभा सीट सहित कई राज्यों में विधानसभा की खाली हुई सीटों पर उपचुनाव के एलान का भी इंतजार था। हालांकि उपचुनावों का एलान न होने से इन सभी को निराशा हाथ लगी है। उत्तर प्रदेश की 10 विधानसभा समेत देशभर में खाली 46 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा शुक्रवार को भारत निर्वाचन आयोग ने नहीं की। मगर चुनाव आयोग का कहना है कि छह महीने के भीतर इन सीटों पर चुनाव संपनन कराया जाएगा। अभी मौसम अनुकूल नहीं है। शुक्रवार को चुनाव आयोग ने जम्मू-कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनाव की तारीखों का एलान किया। निर्वाचन आयोग का इससे जुड़े सवाल पर कहना है कि रिक्त सीटों पर चुनाव कराना है लेकिन अभी मौसम अनुकूल नहीं है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने शुक्रवार को पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि मौजूदा समय में वायनाड लोकसभा सीट सहित उत्तर प्रदेश, बिहार व असम जैसे राज्यों में विधानसभा की करीब 46 सीटें रिक्त है। आयोग इन उपचुनावों को दोनों राज्यों के विधानसभा चुनाव के साथ कराने की तैयारी में था, लेकिन इन सभी राज्यों में अभी मौसम अनुकूल नहीं है। बारिश के चलते इन राज्यों में बाढ़ व भूस्खलन की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में इन सभी उपचुनावों को स्थिति सामान्य होने पर कराए जाएंगे। कुमार ने कहा कि छह महीने के भीतर ही रिक्त हुई इन सीटों पर चुनाव करा लिए जाएंगे। खास बात है कि विधानसभा की इन रिक्त सीटों में 10 सीटें अकेले उत्तर प्रदेश की है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि चुनाव में फैलाए जाने वाले फेक नैरेटिव से निपटने के लिए वह पूरी तरह से सतर्क और तैयार भी है। वैसे तो इस समस्या से पूरी दुनिया परेशान है, लेकिन हमने इसकी काट खोज ली है। देश के परिपक्व मतदाता इसका जवाब देने के लिए भी तैयार है। फेक नैरेटिव गुब्बारा जैसे है। यही वह ज्यादा ऊपर उठ गया तो उसे फोड़ना मुश्किल होता है। चुनाव आयोग ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव की तारीख 30 सितंबर के बाद भी रखने के सवाल को पूरी तरह से खारिज किया और कहा कि इसके कोई मायने निकालने की जरूरत नहीं है।

पीएम ई-बस योजना को लेकर राज्यों से क्यों नाखुश हुआ केंद्र कारण बताने का दिया निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पीएम ई-बस सेवा के लिए बसों और बस डिपो के संदर्भ में केंद्रीय संचालन समिति की मंजूरी के बाद पटना, मध्य प्रदेश में इंदौर और राजस्थान में अजमेर तथा भीलवाड़ा में बस डिपो की स्थापना के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। पीएम ई-बस में महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा और लद्दाख के 11 शहरों ने बसों की मांग में परिवर्तन किया था। हरियाणा के हिसार, यमुनानगर, करनाल, पानीपत

भी शहरों की ओर से प्रस्ताव बार-बार बदलने पर केंद्र सरकार ने अप्रसनन्ता जाहिर की है। संचालन समिति की हाल में हुई बैठक में आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव ने निर्देश दिया है कि अगली बैठक में सभी संशोधित प्रस्ताव एक साथ प्रस्तुत किए जाएं और बदलाव क्यों किए जा रहे हैं, इसका कारण भी बताया जाए। पिछली बैठक में चार राज्यों-बिहार, छत्तीसगढ़, राजस्थान और मध्य प्रदेश के 11 शहरों के बस डिपो के प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई।छत्तीसगढ़ में रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, बिहार में गया, पूणिया, भागलपुर, मुजफ्फरपुर, सेवा योजना के तहत दूसरी और तीसरी श्रेणी के 169 शहरों में दस हजार ई-बसें चलाई जानी हैं। इसके लिए केंद्र सरकार बसों की खरीद तथा बस डिपो बनाने के लिए राज्यों को बीस हजार करोड़ रुपये की सहायता दे रही है। अधिकारियों के अनुसार अब तक 900 करोड़ से अधिक के खर्च को मंजूरी दी जा चुकी है, लेकिन कई जगह टेंडर दोबारा करने के कारण बसों की खरीद के प्रस्तावों पर आगे बढ़ाने में देरी हो रही है।टेंडर दोबारा इसलिए करने की नौबत आई है, क्योंकि बसों के आकार को लेकर शहरों के स्तर पर पहले सुविचारित निणय नहीं लिया गया। पिछली बैठक और रोहतक ने पहले 12 मीटर की बसों की खरीद की इच्छा जताई थी, लेकिन बाद में उन्होंने नौ मीटर की बसों को तरजीह दी। मंत्रालय ने जताई नाराजगी शहरों और राज्यों की इसी प्रवृत्ति पर मंत्रालय ने नाराजगी जताई है और यह अपेक्षा की है कि राज्य एक बार संशोधन के प्रस्तावों पर संचालन समिति की मंजूरी मिल जाने के बाद उसमें बदलाव न करें। अधिकारियों ने बताया कि यह अच्छी बात है कि राज्य इस योजना को लेकर उत्साह दिखा रहे हैं, इसीलिए उनकी ओर से अतिरिक्त बसों की मांग भी आ रही है।

पीएम मोदी ने बेंजामिन नेतन्याहू से की फोन पर बात, बंधकों की तत्काल रिहाई, युद्ध विराम सहित कई मुद्दों पर हुई चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अपने समकक्ष इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बात की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर खुद ही इसकी जानकारी देते हुए कहा कि पीएम नेतन्याहू के साथ बातचीत के दौरान पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा हुई। पीएम मोदी ने इस दौरान सभी बंधकों की तत्काल रिहाई, युद्ध विराम और निरंतर मानवीय सहायता की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पीएम नेतन्याहू से बात के दौरान पश्चिम एशिया में स्थिति को कम करने की आवश्यकता पर जोर दिया। भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नेतन्याहू के फोन कॉल और हार्दिक शुभकामनाओं की सराहना करता हूं। हमने पश्चिम एशिया में मौजूदा स्थिति पर चर्चा की और सभी बंधकों की तत्काल रिहाई, युद्ध विराम और निरंतर मानवीय सहायता की आवश्यकता के लिए अपना आह्वान दोहराया।

इसरो ने फिर रचा इतिहास, धरती की निगरानी के लिए ईओएस-08 का हुआ सफल प्रक्षेपण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। धरती की निगरानी के लिए ईओएस-8 को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से शुक्रवार सुबह सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया । इस रॉकेट के अंदर नया अर्थ ऑब्जरवेशन सैटेलाइट लॉन्च किया गया है। एक छोटा सैटेलाइट भी पैसेंजर सैटेलाइट भी रॉकेट से साथ भेजा गया है। दोनों सैटेलाइट्स धरती से 475 की ऊंचाई पर एक गोलाकार ऑर्बिट में चक्कर लगाएंगे। एसएसएलवी-डी3-ईओएस-08 मिशन में ले जाए गए उपग्रहों का वजन 175.5 किलोग्राम है। ईओएस-08 मिशन के उद्देश्यों में माइक्रोसेटेलाइट को डिजाइन और विकसित करना शामिल है। ईओएस-08 में तीन पेलोड लगे है।इनमें इलेक्ट्रो आप्टिकल इन्फ्रारेड पेलोड (ईओआइआर), ग्लोबल नेविगेशन सेटेलाइट सिस्टम-रिफ्लेक्टोमेट्री पेलोड (जीएनएसएस-आर) और सीआइसी यूवी डोसीमीटर शामिल हैं।

कोलकाता कांड के बीच केंद्र सरकार का बड़ा फैसला, डॉक्टर पर हिंसा हुई तो 6 घंटे के अंदर एफआईआर होगी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में बुधवार आधी रात कुछ लोगों ने अस्पताल परिसर में घुसकर आपातकालीन विभाग में तोड़फोड़ की। अस्पताल में हुई तोड़फोड़

पर स्वास्थ्य मंत्रालय ने चिंता जाहिर की। वहीं, डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर सरकार एक्शन मोड में आ चुकी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि अगर डॉक्टर्स पर हमला या हिंसा होती है तो 6 घंटे के अंदर संस्थानों को संबंधित मामले के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवानी होगी। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, डॉक्टर्स पर अगर हमले होते हैं तो 6 घंटे के अंदर एफआईआर दर्ज की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी स्वास्थ्य संस्थानों को मेमो भेज दिया है आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुई तोड़फोड़ के बाद स्वास्थ्य मंत्रालय ने डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर एक बड़ा फैसला लिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी मेडिकल संस्थानों का आदेश जारी करते हुए बताया कि अगर संस्थान पर हमले होते हैं तो 6 घंटे के भीतर संस्थान प्रमुख एफआईआर दर्ज करवाएं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी स्वास्थ्य संस्थानों को मेमो भेज दिया है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) डॉ. अतुल गोयल द्वारा जारी कार्यालय ज्ञापन अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान सहित केंद्र सरकार के अस्पतालों के निदेशकों और चिकित्सा अधीक्षकों तथा देश भर के सभी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्यों को जारी किया गया। बुधवार रात आरजी कर अस्पताल के नजदीक पुलिस बैरिकेड तोड़कर कर भीड़ परिसर में घुस गई थी। कुछ लोगों ने कुसिन्यां और बोर्ड तोड़ दिए थे। यह घटना तब हुई जब जूनियर डॉक्टर के लिए न्याय की मांग करते हुए बड़ी संख्या में महिलाएं कोलकाता की सड़कों प्रदर्शन कर रही थीं। आर जी कर अस्पताल में हुई तोड़फोड़ पर आज कलकत्ता हाईकोर्ट ने भी चिंता जाहिर की। कोर्ट ने कहा कि इस घटना को संभालने में राज्य मशीनरी को पूरी तरह नाकाम है। वहीं, कोर्ट ने सलाह दी है कि बेहतर होगा अस्पताल बंद किया जाए और अस्पताल में मौजूद मरीजों को किसी दूसरे अस्पताल में शिफ्ट किया जाए।

18.pmd 4 8/17/2024, 4:45 PM

बॉलीवुड/टेली मसाला

अरशद वारसा ने की 'एनिमल' फिल्म की तारीफ, रणबीर कपूर की मूवी देखकर एक्टर को आया मजा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी फिल्म 'एनिमल' रिलीज होने

के महीनों बाद भी चर्चाओं का विषय बनी हुई है। आए दिन कोई न कोई इस फिल्म को लेकर अपने विचार शेयर करते हुए नजर आता है। रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना स्टारर इस फिल्म ने घरेलू समेत वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर सफलता का परचम लहरा दिया था। हालांकि, कुछ दर्शकों और सेलेब्स ने इस मूवी की तारीफ की, तो कुछ ने इसे नापसंद करने की वजह भी बताई। अब एक बार फिर अरशद वारसी ने एक इंटरव्यू में रणबीर कपूर की इस मूवी को लेकर बात की है और अपने विचार शेयर किए हैं। बॉलीवुड अभिनेता अरशद वारसी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्मों जॉली एलएलबी 3 और वेलकम टू द जंगल को लेकर सुखियों में बने हुए हैं। इसी बीच अब उन्होंने एक इंटरव्यू में रणबीर कपूर और संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म एनिमल की तारीफ की है। एक्टर ने कहा कि उन्हें यह मूवी देखकर मजा आया है। साथ ही अभिनेता ने अनुराग कश्यप के बारे में भी बात की। हाल ही में 'जॉली एलएलबी 3' एक्टर ने अनफिल्टर्ड समदीश के साथ बात करते हुए इस पर अपने विचार शेयर किए। एक्टर ने फिल्म 'एनिमल' की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने ऐसी दुनिया पहले नहीं देखी थी। इसके आगे उन्होंने कहा कि मैंने वो दुनिया देखी नहीं। यह शायद किसी पुरुष की कल्पना है। मुझे इसे देखने में मजा आया। अपनी बात रखते हुए अरशद ने यह साफ किया कि फिल्में मनोरंजन के लिए होती हैं, न कि शिक्षा के लिए। दर्शकों ने मार्वल स्टूडियोज की 'एवेंजर्स' को भी इसलिए देखा, क्योंकि इसने एक ऐसी दुनिया बनाई जो हमने पहले कभी नहीं देखी थी। एनिमल के अलावा अभिनेता ने अनुराग कश्यप को लेकर भी बात की। उन्होंने इंटरव्यू में डायरेक्टर की तारीफ करते हुए कहा कि वह उनकी फिल्म निर्माण शैली को भी स्वीकार करते हैं, क्योंकि वो उन्हें बोर नहीं करते। निर्देशक उन्हें एक अलग ही दुनिया दिखाते हैं। बता दें कि अरशद वारसी जल्द ही अक्षय कुमार के साथ 'जॉली एलएलबी 3' और 'वेलकम टू द जंगल' में नजर आने वाले हैं।

कौन बनेगा करोड़पति में पूछा गया क्रिकेट से जुड़ा सवाल, लाइफलाइन इस्तेमाल करके भी कंटेस्टेंट नहीं दे पाया जवाब

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। फेमस टीवी क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति' के 16वें सीजन का आगाज हो गया है। एक बार फिर सदी के महानायक अमिताभ बच्चन हॉट सीट पर बैठकर शो को

होस्ट करते हुए नजर आ रहे हैं। अभी तक कई कंटेस्टेंट शो में नजर आ चुके हैं। हाल ही में व्यापारी राम किशोर पंडित हॉट सीट पर दिखाई दिए। अमिताभ बच्चन के फैंस को उनके शो कौन बनेगा करोड़पति का बेसब्री से इंतजार रहता है और अब इस शो का आगाज हो चुका है। अभी तक शो में कई कंटेस्टेंट हिस्सा ले चुके। हाल ही में इसका एक प्रोमो सामने आया जिसमें बिग बी के सामने हॉट सीट पर व्यापारी राम किशोर पंडित बैठे हुए नजर आए। हालांकि वह एक सवाल का जवाब देने में चुक गए। कौन बनेगा करोड़पति' के एपिसोड में उनसे क्रिकेट से जुड़ा एक सवाल पूछा गया, जिसमें एक ऐसे क्रिकेट खिलाड़ी के बारे में बताया गया जो आईपीएल में कप्तान रह चुका है, लेकिन उसने भारत में कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है। इस सवाल का जवाब देने के लिए उन्हें दो लाइफलाइन का इस्तेमाल करना पड़ा। हाल ही में सोनी टीवी पर इस एपिसोड का एक प्रोमो वीडियो जारी किया गया, जिसमें कंटेस्टेंट राम किशोर पंडित होस्ट अमिताभ बच्चन की तारीफ करते हुए नजर आए। कुछ सवालों का जवाब देने के बाद उनसे 80,000 रुपये के लिए सवाल पूछा गया। वो सवाल था कि इनमें से कौन सा खिलाड़ी, जो साल 2024 में आईपीएल टीम के कप्तान थे, ने भारत के लिए कभी टेस्ट मैच नहीं खेला है।

पहले दिन के अच्छे कलेक्शन के बाद बॉक्स ऑफिस पर पस्त हुई वेदा स्त्री 2 के आगे कैसा रहा हाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। 15 अगस्त के दिन बॉक्स ऑफिस पर हिंदी सिनेमा की तीन बड़ी फिल्में रिलीज हुई। इनमें राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर

स्टारर स्त्री, अक्षय कुमार की खेल खेल में और जॉन अब्राहम की वेदा है। वैसे तो कलेक्शन के मामले में स्त्री 2 काफी आगे निकल चुकी है लेकिन वेदा इस भीड़ में अपने पांव जमाए हुए है कितना रहा फिल्म का कलेक्शन वेदा और खेल खेल के बीच कड़ा कॉम्पटीशन देखने को मिला। वेदा अब तक रेस में खेल खेल में से आगे नजर आ रही हैं। इस फिल्म में जॉन अब्राहम और शारवरी वाघ मुख्य भूमिका में नजर आए। ये एक भरपूर एक्शन थ्रिलर फिल्म है। वैसे जिस तरह से स्त्री 2 का क्रेज बना हुआ था ऐसे में वेदा ने अपने लिए ठीक ठाक अंक जोड़ ही लिए हैं। इंडस्ट्री ट्रेकर वेबसाइट सैकनिल्क के मुताबिक जॉन की 'वेदा' ने पहले दिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 6.3 करोड़ रुपए की कमाई की। वहीं इसने वर्ल्ड वाइड 9.47 करोड़ का कलेक्शन कियाजॉन अब्राहम को एक्शन फिल्म जॉनर के लिए जाना जाता है। हाल ही में 15 अगस्त को उनकी फिल्म वेदा बॉक्स ऑफिस पर अपनी किस्मत आजमाने आ चुकी है। लेकिन इसके लिए उसे अन्य दो बड़ी फिल्मों से टक्कर लेनी पड़ेगी जिसमें की स्त्री पहले ही कमाई के मामले में आगे चल रही है। जानिए फिल्म के दूसरे दिन की कमाई एक विलेन रिटर्नस को छोड़ दें तो जॉन की पिछली फिल्मों के मुकाबले ये आंकड़ा काफी अच्छा है। एक विलन रिटर्न्स ने पहले दिन 7.05 करोड़ रुपए की कमाई की थी वेदा गुरुवार, 15 अगस्त 2024 को तीन भाषाओं हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज हुई थी। वेदा ने दूसरे दिन जोकि विकेंड की शुरुआत है को खबर लिखे जाने तक 0.79 का कलेक्शन कर लिया था। इस हिसाब से वेदा का कुल कलेक्शन 7.09 करोड़ हो चुका है। वेदा दिन के अंत तक 3 से 4 करोड़ का कलेक्शन कर सकती है। वैसे तो वेदा की ओटीटी रिलीज की तारीख और प्लेटफॉर्म की अभी कोई ऑफिशियल घोषणा नहीं हुई है लेकिन रिपोट्‌र्स का दावा है कि फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद जी5 पर रिलीज होगी। वेदा में जॉन अब्राहम और शरवरी के अलावा अभिषेक बनर्जी, तमनन भाटिया, कुमुद मिश्रा और आशीष विद्यार्थी अहम भूमिका में हैं। अभिषेक बनर्जी इस फिल्म में खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे।

ऋषभ शेट्टी ने नर्तकों को समर्पित किया अपना नेशनल अवॉर्ड, प्रशांत नील ने यश को दिया क्रेडिट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। शुक्रवार को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा हुई। कनन्ड़ फिल्म कांतारा के लिए ऋषभ शेट्टी बेस्ट एक्टर चुने गये। पुरस्कारों के एलान के बाद ऋषभ ने खुशी जताते हुए अपना पुरस्कार दैवा नर्तकों को

समर्पित किया। केजीएफ 2 के निर्देशक प्रशांत नील ने भी कांतारा के लिए ऋषभ को बधाई दी है। कांतारा 2022 में रिलीज हुई थी और खूब चर्चा में रही थी। फिल्म में ऋषभ के अभिनय की जमकर तारीफ हुई। वहीं केजीएफ 2 अपने मास एक्शन के लिए चर्चा में रही थी। दिलचस्प बात यह है कि इस फिल्म ने हिंदी बॉक्स ऑफिस पर भी 400 करोड़ नेट कलेक्शन पार किया था। प्रशांत नील निर्देशित फिल्म में यश ने मुख्य भूमिका निभाई थी।ऋषभ की ओर से मीडिया को जारी स्टेटमेंट में कहा गया कि वो कनन्ड़ दर्शकों के आभारी हैं, जिन्होंने फिल्म को इस मुकाम तक पहुंचाया। ऋशभ ने कहा-कांतारा के लिए नेशनल अवॉर्ड मिलना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं उस हर शख्स का दिल से आभारी हूं, जो इस यात्रा में मेरे साथ रहा। कलाकारों, तकनीशियनों और खास तौर पर होमेबल फिल्म्स। यह फिल्म आज जहां है, वहां दर्शकों ने पहुंचाया है।उनका समर्थन देखकर मैं भारी जिम्मेदारी का एहसास करता हूं। मैं और ज्यादा मेहनत करूंगा और दर्शकों के लिए बेहतर फिल्में बनाऊंगा। अति सम्मान के साथ, मैं अपना पुरस्कार कनन्ड़ दर्शकों, दैवा नर्तकों और अप्पू सर को समर्पित करता हूं। दैवाओं के आशीर्वाद से हम इस लम्हे तक पहुंचे हैं।

सिनेमाघरों के बाद ओटीटी पर आ रही धनुष की एक्शन-ड्रामा फिल्म, कब और कहां देखें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। तमिल फिल्मों के स्टार धनुष की फिल्म रायन सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर आने के लिए तैयार है। यह एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसमें धनुष के लुक की काफी चर्चा हुई थी। यह फिल्म 26 जुलाई ही इस फिल्म की कहानी लिखी है और इसे डायरेक्ट भी किया है। फिल्म में लीड एक्टर के तौर पर भी नजर आए। रायन 23 अगस्त को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। फिल्म रिलीज के चार हफ्ते बाद ओटीटी पर आ रही है। रायन तमिल के साथ कलाकार नजर आएंगे। रायन की कहानी चार भाई-बहनों की कहानी है, जो अपने गांव से भागकर शहर में शरण पाने के लिए चले जाते हैं। फिल्म में जबरदस्त एक्शन और क्राइम भी देखने को मिलेगा। कितने का किया कलेक्शन रिपोट्‌र्स के मुताबिक, 26

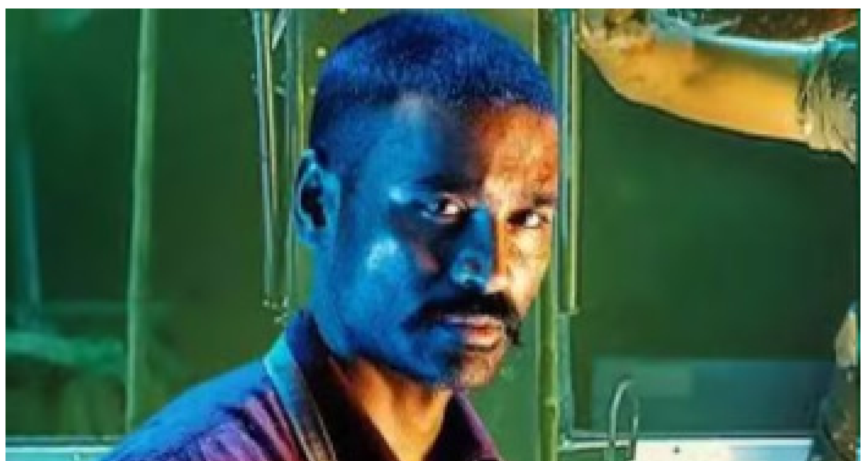

को रिलीज हुई थी और धनुष ने इस फिल्म को डायरेक्ट भी किया था। अगर आप भी दक्षिण भारतीय फिल्मों में दिलचस्पी रखते है तो आपको बताते हैं कि रायन को कब और कहां देख सकते हैं। धनुष ने हिंदी और साउथ फिल्मों में अपने शानदार स्टाइल और अभिनय से गहरी छाप छोड़ी है। 26 जुलाई को एक्टर की फिल्म रायन सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी जोकि उनकी 50वीं फिल्म भी है। धनुष ने हिंदी, तेलुगु, मलयालम और कनन्ड़ भाषाओं में भी स्ट्रीम की जा सकेगी। सन पिक्चर्स के बैनर तले बनी रायन को कलानिधि मारन ने प्रोड्यूस किया है। रायन ने धनुष के लिए एक खास रिकॉर्ड बनाया है। यह फिल्म उनके करियर की ओपनिंग वीकेंड पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली पहली फिल्म है। इस फिल्म में धनुष के अलावा दशरा विजायन,संदीप किशान, अपर्णा बालामुरली, कालीदास जयराम जैसे जुलाई को रिलीज हुई रायन ने हाल ही में अपने तीसरे हफ्ते में 150 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई का रिकॉर्ड बनाया है। अपनी रिलीज के सोलहवें दिन, रायन ने कथित तौर पर पिछले दिन की तुलना में 56झ् की बढ़ोतरी देखी। मूवी ने बॉक्स ऑफिस पर 2.15 करोड़ रुपये की कमाई की। रायन ने तमिलनाडु में 75 करोड़ रुपये की कमाई की है और अब उसका लक्ष्य 200 करोड़ रुपये इकट्ठा करने का है।

सचिन पिलगांवकर ने 65 फिल्मों में चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर काम किया, 5 साल की उम्र में जीता नेशनल अवार्ड

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सचिन पिलगांवकर जिन्हें अक्सर उनके पहले नाम सचिन से जाना

जाता है को इंडस्ट्री में लगभग 60 साल पूरे हो चुके हैं। सचिन ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत महज चार साल की उम्र में की थी। आज उन्हें एक भारतीय फिल्म अभिनेता और टेलीविजन अभिनेता, डायरेक्टर, सिंगर और प्रोड्यूसर कहा जा सकता है। सचिन ने साल 1962 में मराठी फिल्म हा माझा मार्ग एकला (ीं र्ैं र्ुैं र्दैं) से एक चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म के लिए उन्हें नेशनल अवार्ड भी मिला था। एक चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर उन्होंने लगभग 65 फिल्मों में काम किया। उस दौरान उन्हें तत्कालीन राष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉक्टर राधा कृष्णन ने अपने हाथों से अवार्ड दिया था।सचिन पिलगांवकर को उनकी सहज मुस्कान और दमदार एक्टिंग की वजह से इंडस्ट्री में आज भी याद किया जाता है। वह एक ऐसे सुपरस्टार हैं जिन्होंने न केवल एक्टिगं और डायरेक्टशन किया बल्कि टीवी पर भी खूब नाम कमाया। उन्होंने कई कॉमेडी टीवी सीरियल किए। इसके अलावा मराठी सिनेमा में भी उनका काफी ज्यादा नाम है। सचिन पिलगांवकर ने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट करियर की शुरुआत की थी। .सचिन पिलगांवकर का जन्म 17 अगस्त 1957 को गोवा के एक कोंकणी परिवार में हुआ था। उनके पिता शरद पिलगांवकर मुंबई में प्रिंटिंग व्यवसाय चलाते थे। उनके पिता एक फिल्म निर्माता थे। सचिन पिलगांवकर ने साल 1985 के दौरान सुप्रिया पिलगांवकर से शादी की थी। दोनों की पहली मुलाकात एक मराठी फिल्म के सेट पर हुई थी। सचिन और उनकी पतने दोनों का जन्मदिन एक ही दिन होता है। सचिन उम्र के मामले में सुप्रिया से 10 साल बड़े हैं। दंपति इस समय एक बेटी श्रिया पिलगांवकर के माता-पिता हैं। इसके बाद वो राजश्री प्रोडक्शन हाउस के साथ जुड़ गए। इस दौरान उन्हें 'गीत गाता चल' मिली, जिसमें वह सारिका के साथ नजर आए। ये फिल्म सफल साबित हुई और इसके बाद वह कई फिल्मों में लीड रोल के तौर पर भी नजर आए। एक लीड एक्टर के तौर पर सचिन ने फिल्म बालिका बधू (1976), अंखियों के झरोखों से (1978) और नदिया के पार (1982) जैसी फिल्मों में काम किया जोकि काफी सफल भी रहीं।

दूसरे दिन शॉकिंग रहा कलेक्शन, क्या 'खेल खेल में' खेल पाएगी लंबी पारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार की हालिया रिलीज फिल्म 'खेल खेल में' ने बॉक्स ऑफिस पर दूसरे दिन बड़ा झटका खाया है। फिल्म ने पहले दिन मजबूत शुरुआत की थी, लेकिन दूसरे दिन की कमाई में भारी गिरावट दर्ज की गई।फिल्म 'खेल खेल में' को लेकर दर्शकों में पहले दिन उत्साह देखा गया था, लेकिन दूसरे दिन की कमाई में गिरावट से फिल्म की आगे की बॉक्स ऑफिस यात्रा पर सवाल खड़े हो गए हैं। फिल्म को मिक्स रिव्यूज मिल रहे हैं, और दर्शकों का जुड़ाव पहले दिन की तुलना में कमजोर दिखाई दे रहा है।अक्षय कुमार की हालिया रिलीज फिल्म खेल खेल में की ओपनिंग ठीक-ठाक रही। एक्टर की पिछली रिलीज सरफिरा (2.5 करोड़) से ओपनिंग बेहतर रही। हालांकि खेल खेल में ने दूसरे दिन ही तोते उड़ाने वाले आंकड़े दिए हैं। फिल्म ने 15 अगस्त की छुट्टी का तो पूरा फायदा उठाया लेकिन शुक्रवार को मामला अलग हो गया।खेल खेल में' के लिए बॉक्स ऑफिस पर टिकना शुरुआत से चैलेंजिंग था, क्योंकि मुकाबले में श्रद्धा कपूर की स्त्री 2 और जॉन अब्राहम की वेदा थी। हालांकि, फिर भी 'खेल खेल में' ने ओपनिंग डे पर मामला संभाल लिया, लेकिन फिल्म ये रफ्तार बनाए रखने में दूसरे ही दिन चूक गई। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, 15 अगस्त को रिलीज

हुई 'खेल खेल में' 5.05 करोड़ के साथ टिकट खिड़की पर खाता खोला था।दूसरे दिन फिल्म ने केवल 91 लाख रुपये का कलेक्शन किया, जो पहले दिन के मुकाबले काफी कम है। हालांकि, ये अंतिम आंकड़े नहीं हैं, इनमें फेरबदल संभव है। 'खेल खेल में' दूसरे ही दिन लगभग 4 करोड़ का घाटा सहा है। हालांकि, वीकेंड पर फिल्म को थोड़ी राहत मिल सकती है। (जागरण इन आंकड़ों की पुष्टि नहीं करता) अक्षय कुमार की 'खेल खेल में' दर्शकों को सिनेमा हॉल तक खींचने में असफल रही। इसके अलावा, अन्य बड़ी फिल्मों के मुकाबले में 'खेल खेल में' को कम शो मिलना भी एक कारण हो सकता है। अब सभी की नजरें तीसरे दिन की कमाई पर हैं, जो ये तय करेगी कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर लंबी पारी खेल भी पाएगी या नहीं।

आपका अपना जाकिर में जाकिर खान ने अपनी स्टैंड-अप कॉमेडी से सबका दिल जीता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। डिजिटलाइजेशन के इस दौर में, डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स जिस तरह से शानदार काम कर रहे हैं, उसका लाभ उन्हें दूसरे क्षेत्रों में भी मिलेगा। शो का फॉर्मेट इस तरह से बनाया गया है, जिससे वह दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींच सके। यह शो जाकिर खान के मजेदार चुटकुले, ऑडिएंस को सुनाए जाने

मिल रहा है। ये डिजिटल स्टार्स अब फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में भी लोकप्रिय हो रहे हैं, और दर्शक उन्हें वहां भी पूरा प्यार दे रहे हैं। ऐसे ही एक डिजिटल स्टार हैं जाकिर खान, जो टेलीविजन की दुनिया में तेजी से आगे निकल रहे हैं। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर उनका नया शो हाल ही में लॉन्च हुआ है। जाकिर डिजिटल दुनिया में सालों से काम कर रहे हैं और अपने रिलेटेबल ह्यूमर और कहानी से सबकी वाहवाही लूटते रहे हैं। अब इस शो के माध्यम से जाकिर की विशिष्ट शैली को टेलीविजन की व्यापक ऑडिएंस से जुड़ने का मौका वाले किस्से, सेलिब्रिटी गेस्ट के साथ गुफ्तगू व हंसी-मजाक, और पैनलिस्ट के सटायर और पहेलियों के इर्द-गिर्द घूमता है। यह शो बातचीत से उत्पनन्न हास्यपूर्ण स्थितियों पर केंद्रित है। इसका सेट काफी बड़ा है और पूरे माहौल को हास्यपूर्ण रखा गया है, जिससे दर्शकों को ऐसा लगता है कि शो में उनकी रुचि से संबंधित चीजों पर बात हो रही है। शो की शुरुआत जाकिर खान की इंट्री से होती है। वह शो में बैठे दर्शकों से गुफ्तगू व हंसी-मजाक करते हैं। उसके बाद उनकी टीम आती है, जहां एक-दूसरे पर सटायर मारे जाते हैं। अंत में शो में सेलिब्रिटी गेस्ट आते हैं, जिनके जीवन और उनकी फिल्मों के बारे में जानकारी ली जाती है। टेलीविजन पर किसी भी अन्य कॉमेडी शो से अलग है। यह हल्का-फुल्का टॉक शो के अनुभव को और भी बेहतर बनाता है क्योंकि यह रोजमर्रा के अनुभवों को कॉमेडी के साथ पेश करता है, और जाकिर खान इसे और दिलचस्प बना देते हैं। इस शो की ताकत उनकी सादगी है। जाकिर की बातचीत करने की शैली से कंटेंट व्यक्तिगत और प्रासंगिक लगता है, मानो वह कैमरे के सामने परफॉर्मेंस नहीं दे रहे हैं, बल्कि किसी से बातचीत कर रहे हैं, जिसमें ह्यूमर पर्याप्त है। जाकिर खान की कैंडिड स्टाइल कॉमेडी और कुशल कहानी कहने की शैली से लोग प्रभावित होते हैं। इसी कारण वे भारत में सबसे लोकप्रिय और पहचाने जाने वाले स्टैंड-अप कॉमेडियन में से एक बन गए हैं। रिश्तों, प्यार, काम और जीवन पर उनके प्रासंगिक चुटकुलों के कारण वे युवाओं के बीच विशेष रूप से लोकप्रिय हैं। अब उनकी इसी शैली को लोग में देख पाएंगे, जिसमें उनका साथ देंगे ऋत्विक धनजानी, परेश गणात्रा, गोपाल दत्त, और श्वेता तिवारी। ये सभी पैनलिस्ट की भूमिका में नजर आएंगे। जाकिर की ये टीम एक-दूसरे की टांग खींचने और सटायर मारने में आगे है। गेस्ट के साथ इनके सवाल और पहेलियां बेहद अनोखी हैं, जिन्हें देखकर दर्शक आनंदित होते ह इस शो में फुल मनोरंजन है, क्योंकि इसमें सेलिब्रिटी गेस्ट भी हैं, जिनके साथ जाकिर खान बेहद मजाकिया होते हैं। सेलिब्रिटी की हर बात पर वे जोक्स क्रैक करते हैं, जिससे सुनने वालों की हंसी आना तय है। हाल ही में इसका पहला एपिसोड दिखाया गया, जिसके गेस्ट थे निर्माता और निर्देशक करण जौहर। उनके साथ जाकिर खान ने खूब मजा किया। शो में करण ने फिल्म इंडस्ट्री के कई किस्से सुनाए और पैनलिस्ट की मजेदार पहेलियों का जवाब दिया। बतौर कॉमेडियन, जाकिर खान का अंदाज हर किसी से जुदा है। वह सहज तरीके से ऐसी बातें या किस्से बताते हैं कि सुनने वालों को हंसी आ ही जाती है। ऐसा लगता है जैसे कोई दोस्त हमसे संबंधित कोई बात कह रहा हो, जिसे सुनकर आनंद आता है। लगता है कि उनकी बातें हम हमेशा सुनते रहें। जाकिर खान ने अपनी स्टैंड-अप कॉमेडी और से सबके दिलों में जगह बना ली है और अब वह पूरे देश का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। शो के दो एपिसोड आ चुके हैं, जिन्हें दर्शक बहुत पसंद कर रहे हैं। यह शो हर शनिवार और रविवार, रात 9:30 बजे सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित हो रहा है। आप भी देखें यह मजेदार शो।

सम्पादकीय

विश्वसनीय व्याख्या के लिए वास्तविक अर्थ जरूरी, प्रेमपूर्ण संगति अहम

'मृत्यु के निकट अनुभव' यह नहीं दर्शाते कि जीवन के बाद भी कुछ है, बल्कि यह दर्शाते हैं कि प्रेमपूर्ण संगति में अच्छी तरह से मृत्यु संभव है। वे हमें मृत्यु के बारे में कुछ गहन और सुंदर बातें बताते हैं। मृत्यु के निकट अनुभव' बताते हैं कि मृत्यु इतनी भयावह नहीं भी हो सकती है, जितनी अमूमन उसे समझा जाता है। मृत्यु दो दुनियाओं के बीच का दरवाजा भी हो सकती है। मुमकिन है कि उस पार कुछ ऐसा इंतजार कर रहा हो, जिसके बारे में हमने अपने सबसे सुंदर ख्वाब में भी न सोचा हो।आखिर मरने के बाद होता क्या है? विभिनन्‍ धर्मों के दर्शन में इस पर तमाम विचार मिलते हैं, लेकिन क्या मालूम वे सच हैं भी या नहीं? जब तक कोई खुद अपनी आंखों से न देखे, तब तक कैसे मान ले कि मृत्यु के बाद हम जाते कहां हैं। कोई जाने के बाद लौट कर आया हो, और वह बताए, तो एक बार को मान भी लें।हालांकि इस दुनिया में कई लोग ऐसे हैं, जो मृत्यु को छूकर वापस लौटे। यानी, कुछ पल के लिए मर गए, लेकिन फिर वह लौटे। मृत्यु के निकट के ये अनुभव विस्मय को जगाते हैं-वे हमें 'ईश्वर की नजर' से यह देखने का मौका देते हैं कि वास्तव में इससे परे क्या है। वे हमें ब्रह्मांड के किनारे तक ले जाते हैं। हालांकि यह बिल्कुल वैज्ञानिक विचार नहीं है, लेकिन हममें से ज्यादातर लोगों को इस बात की एक आम समझ है कि 'मृत्यु के निकट अनुभव' का क्या मतलब है।जाहिर है, मृत्यु के निकट अनुभव का मतलब एक ऐसी स्थिति से है, जिसमें किसी का जीवन खतरे में होता है। जिन लोगों ने इसका अध्ययन किया है या इस पर चर्चा की है, उनमें से अधिकांश इस बात पर सहमत हैं कि 'मृत्यु के निकट अनुभव' के रूप में गिनने के लिए ऐसा अनुभव तब होना चाहिए, जब व्यक्ति पूरी तरह सचेत न हो और उसमें निमनलिखित पहलू पर्याप्त हों : शरीर से परे होने का अनुभव, जिसमें व्यक्ति को भौतिक रूप से ऊपर तैरने का अनुभव होता है और वह खुद को तथा अपने आसपास के वातावरण को देख सकता है।ऐसे में व्यक्ति अपने जीवन की समीक्षा करता है, और मृतक परिजनों या पूज्य धार्मिक व्यक्तियों द्वारा संरक्षित क्षेत्र (गहन अंधेरे में रोशनी, द्वार या बाड़ से घिरा क्षेत्र, नदी के दूसरे किनारे) की ओर बढ़ने का मार्गदर्शन पाता है। कई लोग जो 'मृत्यु के निकट अनुभव' से गुजर चुके हैं, वे गंभीरतापूर्वक बदलाव की बात करते हैं-उन्हें मृत्यु का भय कम सताता है, वे ज्यादा आध्यात्मिक, ज्यादा सकारात्मक एवं मददगार होते हैं। वे नैतिकता के प्रति ज्यादा चिंतित होते हैं। ऐसे अनुभव पूरे इतिहास में और विभिनन्‍ संस्कृतियों में पाए जाते हैं।प्लेटो ने द रिपब्लिक में इनमें से एक का वर्णन किया है-एर का मिथक। (यह एर नामक एक सैनिक की कहानी है, जिसे मरा हुआ मान लिया जाता है और वह पाताल लोक में चला जाता है। पर जब वह पुनर्जीवित होता है, तो उसे लोगों को यह बताने के लिए भेजा जाता है कि परलोक में कौन-सी चीज उनका इंतजार कर रही है। एर परलोक का वर्णन करता है, जहां दयालु को पुरस्कृत किया जाता है और दुष्टों को दंडित किया जाता है।) 'मृत्यु के निकट अनुभव' आंशिक रूप से व्यक्ति की जीवन स्थिति, धर्म और संस्कृति के विवरण पर निर्भर होते हैं, लेकिन कुछ सामान्य तत्व भी हैं। उदाहरण के लिए, धार्मिक आकृतियां अलग-अलग हो सकती हैं-एक ईसाई को ईसाई आकृतियां दिखाई देंगी, एक बौद्ध को बौद्ध आकृतियां दिखाई देंगी और एक हिंदू को 'मृत्यु के निकट अनुभव' में हिंदू देवी-देवताओं की आकृतियां दिखाई देंगी। फिर भी गहरे स्तर पर सम्मानित व्यक्तियों द्वारा मार्गदर्शन मिलता है, तथा ज्ञात से अज्ञात की ओर यात्रा होती है। यह शायद सबसे कठिन यात्रा है, जीवन से मृत्यु तक। हमारी अंतिम यात्रा या हमारी यात्रा के अंतिम चरण पर प्रेमपूर्ण मार्गदर्शन गहरा प्रभाव डालता है।लोकप्रिय साहित्य में 'मृत्यु के निकट अनुभव' की व्याख्या लगभग हमेशा 'अलौकिक रूप से' की जाती है। मानो वे यह दिखाते हैं कि मन मस्तिष्क जैसा नहीं है और मस्तिष्क के काम करना बंद करने के बाद भी मन सक्रिय रह सकता है, और यह भी कि मन का किसी तरह से 'स्वर्ग' या गैर-भौतिक क्षेत्र से संपर्क होता है। 'मृत्यु के निकट अनुभव' से संबंधित पुस्तकों के शीर्षक बताते हैं कि 'स्वर्ग वास्तव में होता है' या हमारे पास 'स्वर्ग का सबूत' है। इन मुद्दों पर लिखने वाले न्यूरोसाइंटिस्ट दावा करते हैं कि 'मृत्यु के निकट अनुभव' 'मृत्यु के बाद के जीवन का सबूत' और 'जीवन से परे चेतना' प्रदान करते हैं। वे उन्हें मृत्यु के बाद की यात्रा मानते हैं।अलौकिक व्याख्या के समर्थक इस पर जोर देते हैं कि वे 'वास्तविक' हैं।

रचनात्मक प्रवाह में मस्तिष्क पर बहुत जोर नहीं देना पड़ता

जब कभी शांत महसूस कर रहे हों और हर कार्य में आनंद का बोध हो, तो यह रसायनों का उत्पात नहीं, बल्कि रचनात्मक ऊर्जा का प्रवाह है। कभी आपके साथ ऐसा हुआ कि आपने कोई संगीत सुना और उसमें डूब गए, कि रचनात्मक प्रवाह में हमें मस्तिष्क पर बहुत जोर नहीं देना पड़ता है। पूरा ध्यान काम पर होता है। यह आनंददायक होता है और कोई विचलन नहीं होती। हम बागवानी करते, खाना बनाते, बातचीत करते, संगीत सुनते, या लिखते समय

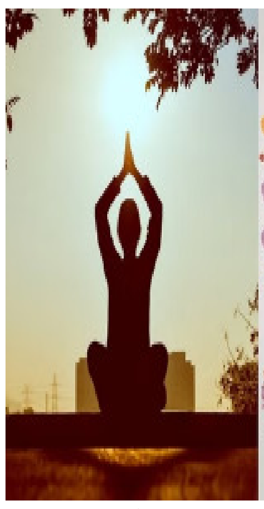

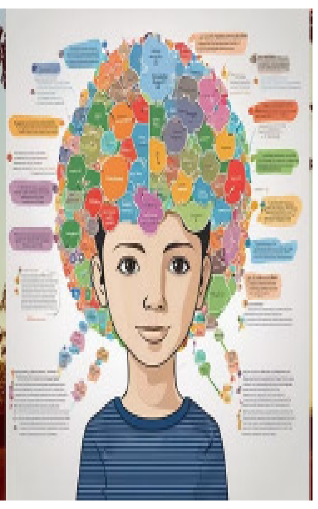

या कुछ लिखने बैठे, तो मन इतना शांत रहा कि हर शब्द के पीछे रचनात्मक ऊर्जा महसूस होने लगी हो, या आप कोई फिल्म देख रहे हैं, और उसमें इतना खो गए कि कुछ समय तक दुनिया को ही भूल गए? कोई थकावट नहीं हुई। इसके उलट कई बार ऐसा होता है कि लिखने बैठते हैं, तो पूरा समय चला जाता है, फिर भी हम सटीक ढंग से उस बात को नहीं लिख पाते, जो हम लिखना चाहते हैं। लेकिन जब हम सही मनोदशा में होते हैं, तो लगभग बिना कलम रोके लिखते चले जाते हैं। यही रचनात्मक प्रवाह होता है। लेकिन क्या आपने सोचा है कि इस दौरान हमारे दिमाग में कौन-सी रासायनिक क्रियाएं चल रही होती हैं फिलाडेल्फिया में ड्रेक्सेल विश्वविद्यालय में मनोवैज्ञानिक और मस्तिष्क विज्ञान के प्रोफेसर का कहना है इसका अनुभव कर सकते हैं। जब हमारे मस्तिष्क में रचनात्मक प्रवाह होता है, तो सारी समस्याओं का समाधान तुरंत होता है। आमतौर पर जब हम रचनात्मक प्रवाह में होते हैं, तो समय कब और कितनी जल्दी बीत जाता है, हमें पता ही नहीं चलता। मनोवैज्ञानिक रचनात्मक प्रवाह के बारे में 50 साल से भी अधिक समय से शोध कर रहे हैं, जिसकी शुरुआत मनोवैज्ञानिक मिहाली सिक्सजेंटमिहाली ने की थी। वैज्ञानिकों ने मस्तिष्क के बाएं और दाएं, दोनों हिस्सों द्वारा किए जाने वाले विशिष्ट कार्यों की पहचान की है। 1990 के दशक में न्यूरो-साइकोलॉजिस्ट एल्खोनन गोल्डबर्ग ने बताया कि मस्तिष्क के दो गोलार्ध अनुभूति और रचनात्मकता में अलग-अलग भूमिका निभाते हैं।

सिर्फ जीडीपी काफी नहीं, जीईपी को साथ लेकर चलने से बनेगी बात

जीडीपी आर्थिक प्रदर्शन का व्यापक रूप से स्वीकृत माप है, परंतु आर्थिक गतिविधियों से जुड़ी पर्यावरणीय लागतों और लाभों को ध्यान में रखते हुए यह आर्थिकी के वास्तविक आकलन की एक कमजोर कड़ी है। जबकि सकल पर्यावरणीय उत्पाद (जीईपी) की अवधारणा मानव सहित सभी जीवों के कल्याण और अर्थव्यवस्था में प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र के योगदान को मापने के सार्थक दृष्टिकोण के रूप में उभरी है। विश्व के लगभग सभी देश अपनी अर्थव्यवस्था को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के मानकों से आंकते हैं। भूटान सकल राष्ट्रीय प्रसनन्ता (ग्रॉस नेशनल हैप्पीनेस) को अपना सबसे बड़ा आधार मानता है। लेकिन 19 जुलाई को उत्तराखंड ने अपनी अर्थव्यवस्था के आकलन के लिए जिस मानक की घोषणा की, वह अद्वितीय है। सकल पर्यावरणीय उत्पाद (जीईपी) को अपनी अर्थव्यवस्था का मानक मानने वाला यह हिमालयी राज्य देश का पहला ऐसा राज्य है, जो दुनिया भर के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण बन गया है। हालांकि ऐसी आर्थिक विकास की नीति कोस्टारिका तथा कुछ अन्य देशों में आंशिक रूप से प्रभावी है। इस अवधारणा को आगे बढ़ाने के लिए वर्षों से प्रयासरत पर्यावरणविद डॉ अनिल जोशी और उत्तराखंड प्रशासन की यह पहल स्वागत योग्य है, परंतु इस पर इतनी चर्चा नहीं हो रही, जितनी होनी चाहिए। जीडीपी आर्थिक प्रदर्शन का व्यापक रूप से स्वीकृत माप है, परंतु आर्थिक गतिविधियों से जुड़ी पर्यावरणीय लागतों और लाभों को ध्यान में रखते हुए यह आर्थिकी के वास्तविक आकलन की एक कमजोर कड़ी है। जबकि सकल पर्यावरणीय उत्पाद (जीईपी) की अवधारणा मानव सहित सभी जीवों के कल्याण और अर्थव्यवस्था में प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र के योगदान को मापने के सार्थक दृष्टिकोण के रूप में उभरी है। महात्मा गांधी ने जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करने वाली, न कि लालच की पूर्ति करने वाली, आर्थिकी का दर्शन दिया था। सुंदरलाल बहुगुणा ने 'पारिस्थितिकी ही स्थायी आर्थिकी

है' का सिद्धांत दिया था। सकल पर्यावरणीय उत्पाद (जीईपी) एक अभिनव मानदंड है, जिसे प्रकृति द्वारा प्रदान की गई पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को मापने और महत्व देने के लिए तैयार किया गया है। जीईपी का लक्ष्य इन विविध योगदानों को एकल मौद्रिक मूल्य में समाहित करना है, जो आर्थिक और सामाजिक कल्याण के समर्थन में प्राकृतिक पूंजी के वास्तविक मूल्य को दर्शाता है। जीईपी मूल्यांकन पर्यावरणीय कारकों को शामिल करके आर्थिक प्रदर्शन का अधिक व्यापक मूल्यांकन प्रदान करता है। प्रकृति के नियमों के साथ पूर्ण राजनीतिक निष्ठा से जीईपी को अपनाने से सतत राष्ट्रीय विकास प्रथाओं को प्रोत्साहन मिल सकता है। यह बदलाव अधिक संतुलित और दीर्घकालिक विकास रणनीतियों को जन्म दे सकता है, जो आर्थिक विकास का तालमेल पर्यावरणीय प्रबंधन के साथ बनाए रखती है। वैसे जीईपी की अवधारणा भौगोलिक क्षेत्र और सामाजिक-सांस्कृतिक ताने-बाने के अनुरूप भिनन्‍ हो सकती है, लेकिन सामान्यतः इसकी गणना में कई चरण और पद्धतियां समाहित हैं, जो पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं की जटिलता और विविधता को दर्शाती हैं। पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के मूल्यांकन में उपयोग किए जाने वाले प्रमुख दृष्टिकोण हैं : बाजार-आधारित मूल्यांकन, प्रतिस्थापन लागत विधि, आकस्मिक मूल्यांकन और लाभ अंतरण। जीईपी का उद्देश्य एक ही है-पारिस्थितिकी-केंद्रित सतत सामजिक-आर्थिक-सांस्कृतिक विकास। उत्तराखंड में जो जीईपी लागू किया जाना है, उसमें पर्यावरण के चार घटकों (जल, वायु, वन और मिट्टी) संबंधी सूचकांक शामिल हैं। आर्थिक विकास की नीतियों, योजनाओं और प्रक्रियाओं में पर्यावरण के इन घटकों की गुणवत्ता सुनिश्चित रखना किसी भी प्रशासन का नैतिक दायित्व है और इसे मूर्त रूप देने में उत्तराखंड सरकार ने पर्यावरण-नैतिकता के प्रदर्शन का साहस दिखाया है। जीईपी को कार्रवाई योग्य नीतियों और निर्णयों में बदलने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति और संस्थागत क्षमता की आवश्यकता है। सरकारों और संगठनों को अपनी योजना प्रक्रियाओं में जीईपी को एकीकृत करने और पर्यावरणीय स्थिरता के साथ आर्थिक प्रोत्साहन में तालमेल बनाना चाहिए। उत्तराखंड में एक जीईपी सेल की स्थापना की बात कही गई है, जो जीईपी के क्रियान्वयन को सुनिश्चित करेगी। जीईपी को नीति आयोग के साथ जोड़ने और इसे पूरे देश के लिए लागू करने की आवश्यकता है। जीईपी आर्थिक प्रगति और स्थिरता पर पुनर्विचार करने के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण प्रदान करता है। प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र द्वारा प्रदान किए गए असंख्य लाभों को महत्व देकर जीईपी आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच अंतर को पाटता है। इसमें नीतियों को नया आकार देने, टिकाऊ प्रथाओं का मार्गदर्शन करने और मनुष्यों और प्रकृति के बीच अधिक सामंजस्यपूर्ण संबंध को बढ़ावा देने की क्षमता होती है। जीईपी को अपनाना न केवल एक आर्थिक अनिवार्यता है, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए ग्रह की सुरक्षा का एक नैतिक दायित्व भी है।

खतरों के बावजूद साहस दिखा रहे लोग

अगर पार्टी के दृष्टिकोण से देखा जाए तो चीन में अधिक असहमति है। चीनी सरकार के खिलाफ बोलने या लिखने पर नौकरी से हाथ धोने, गिरफ्तार होने, प्रताड़ना झेलने या मारे जाने तक का खतरा बना रहता है, फिर भी कुछ लोग सच बोलने का साहस दिखाते हैं जॉर्ज ऑरवेल के उपन्यास '1984' की प्रसिद्ध पंक्तियों में से एक है- ङ्गजो अतीत को नियंत्रित करता है, वह भविष्य को भी नियंत्रित कर सकता है। जो वर्तमान को नियंत्रित करता है, वह अतीत को भी नियंत्रित कर सकता है।ङ्ग इस कथन को कहते हुए ऑरवेल के मन में स्टालिन का रूस था, लेकिन उनका यह कथन सभी अधिनायकवादी शासकों पर कमोबेश सच है, जहां सत्तारूढ़ दल और नेता इतिहास का अपना संस्करण जनता पर थोपना चाहते हैं। लेकिन अपेक्षाकृत खुले समाज में इतिहास का कोई भी एक संस्करण समग्र रूप से नागरिकों पर नहीं थोपा जा सकता। उदाहरण के लिए, संयुक्त राज्य अमेरिका में जब रिपब्लिकन सत्ता में होते हैं तो वे नस्ल संबंध कैसे थे या होने चाहिए, इस पर अपना दृष्टिकोण थोपने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन उनके इन विचारों का उन लोगों द्वारा अक्सर विरोध होता है, जो इस घटना को अलग तरीके से देखते हैं।भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में भी अतीत पर राज्य प्रायोजित दृष्टिकोण गहन बहस के विषय हैं। उदाहरण के लिए, मोदी सरकार ने अपने सभी मौजूदा संसाधनों के साथ हिंदू-मुस्लिम संबंधों की एक खास तस्वीर पेश करने की कोशिश की है। इस कोशिश में देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के योगदान को कम करने की कोशिश भी शामिल है। फिर भी ऐसी वेबसाइट्स, प्रकाशन संस्थान, यूट्यूब चैनल और अखबार, जो बिना शासनादेश के चलते हैं और जहां लोग इन विषयों को अलग तरीके से समझते हैं, सार्वजनिक रूप से अपने विचार व्यक्त कर सकते हैं। ऐसी स्वतंत्र आवाजों के दमन के लिए ही मोदी सरकार एक नया 'ब्रॉडकास्टिंग बिल' लाने की तैयारी में है।वर्तमान समय में किसी भी संगठन ने इस विचार कि 'लोग कैसे सोचते हैं या क्या सोचते हैं' पर इतनी सख्ती से नियंत्रण करने की कोशिश नहीं की है, जितनी कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) ने। अपने देश के अतीत, वर्तमान और भविष्य की प्रस्तुति में सीपीसी ने चार मुख्य प्रस्तावों की रूपरेखा के दायरे में काम किया है-पहला, पार्टी और नेता हमेशा सही होते हैं। दूसरा, पार्टी के कैडर, पदाधिकारी और महान नेता, चीन को उननति की राह पर ले जाने के साथ उसे मजबूत तथा समृद्ध बनाने के लिए हर मौसम में दिन-रात मेहनत करते हैं। तीसरा, जो सार्वजनिक या निजी तौर पर पार्टी की नीतियों या उसकी प्रथाओं की आलोचना करते हैं, वे देश के दुश्मन हैं और विदेशी ताकतों के इशारों पर काम करते हैं। चौथा, यदि पार्टी इस तरह की आलोचनाओं से सख्ती से नहीं निपटती है तो चीन 1949 के पहले वाले अंधकार युग में लौट जाएगा, जब इसे विभाजन, विवाद और गृह युद्ध एवं पश्चिमी शक्तियों ने पंगु बना दिया था। अगर पार्टी के दृष्टिकोण से देखा जाए तो चीन में अधिक असहमति है। 1949 के बाद भी सरकार के खिलाफ बोलने या लिखने पर नौकरी से हाथ धोने, गिरफ्तार होने, प्रताड़ना झेलने या मारे जाने तक का खतरा बना रहता था। फिर भी जैसा कि एक हालिया पुस्तक दर्शाती है, कुछ लोग अब भी साथी नागरिकों को आधुनिक चीनी इतिहास और विशेष रूप से कम्युनिस्ट पार्टी के इतिहास की सच्चाई पेश करने के लिए इन जोखिमों को उठाने का साहस करते हैं। हाल में आई किताब का नाम है- 'स्पार्क्स : चाइनाज अंडरग्राउंड हिस्टोरियन्स एंड देयर बैटल फॉर द फ्यूचर'। किताब के लेखक हैं इयान जॉनसन, जिन्होंने सरकार द्वारा निष्कासित किए जाने से पहले कई सालों तक चीन में रिपोर्टिंग की है। अपनी किताब में जॉनसन पाठकों को चीन के परिदृश्य, शहरी और ग्रामीण सभ्यता-संस्कृति के साथ उसके समृद्ध कला-साहित्य और दर्शन के बारे में भी जानकारी देते हैं। जॉनसन 1949 से 1976 तक सत्ता में रहे माओत्से तुंग द्वारा अपने लोगों पर की जाने वाली निदर्यता के बारे में भी बेबाकी से लिखते हैं। माओ को दुश्मनों की जरूरत थी और वे उन्हें हर जगह मिल जाते थे, खेतों में, कारखानों में, शहर और देश में, यहां तक कि कम्युनिस्ट पार्टी के अंदर भी। लाखों मेहनतकश चीनी नागरिक, जिन्होंने कभी कोई अपराध नहीं किया, उन्हें भी माओ के गुंडों ने दुश्मन के रूप में नामित किया। अगर वे भाग्यशाली होते थे तो उन्हें सिर्फ अपने घरों से बेदखल किया जाता था या किसी छोटे-मोटे काम पर लगा दिया जाता था। ऐसा नहीं होने पर या तो जेल में डाल दिया जाता था या मार दिया जाता था। माओ सनक और जानलेवा इरादों का एक अनोखा मिश्रण था। 1956 में उसने 'सौ फूल खिलें' कहकर लोगों से मन की बात कहने का आह्वान किया। जब लोगों ने उनकी बात मान ली तो उसने अपना आह्वान वापस ले लिया और दक्षिण पंथ विरोध अभियान शुरू कर दिया, जिसमें लेखकों, शिक्षकों, छात्रों, वकीलों, प्रबंधकों और वैज्ञानिकों जैसे दूर की सोच रखने वालों का सफाया हो गया। जॉनसन लिखते हैं, इस प्रक्रिया में विश्वविद्यालय, उच्च विद्यालय, अनुसंधान संस्थान और सरकारी कार्यालय नष्ट हो गए। लाखों की संख्या में लोगों को मजदूरों के कैंप में भेज दिया गया। वे खुद को बचाने के लिए पार्टी के आदेशों का हूबहू पालन करने की कोशिश कर रहे थे। जॉनसन के अनुसार, भूमिगत हुए लेखकों में से कई उनके बच्चे या भाई-बहन थे, जिनको राज्य द्वारा या तो जेल में डाल दिया गया था या मार दिया गया था। ऐसे लोगों की पीड़ा चीन में कम्युनिस्ट शासन के काले पक्ष के बारे में जनता को सचेत करने के लिए प्रेरित करती है। जॉनसन जिन असंतुष्टों के बारे में लिखते हैं, उनमें से कई पहले खुले विचारों वाले थे। इंटरनेट के विकास की वजह से उन लोगों को लेखन और फिल्मों को प्रचारित करने का अवसर मिला। उनका समय बौद्धिक स्वतंत्रता का समय था। 2012 में शी जिनपिंग के सत्ता में आने के बाद इन स्वतंत्र इतिहासकारों का काम और कठिन हो गया। अपने कार्यकाल की शुरुआत में शी ने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के इतिहास को बेहतरीन तरीके से पेश करने की बात कही। राज्य द्वारा नियुक्त इतिहासकारों के समूह को स्वतंत्रता का जशन्‍ मनाने का आदेश दिया गया। उन्हें इस बात का भी ध्यान रखने के लिए कहा गया कि युवा और बच्चे पार्टी और उनके नेताओं के बलिदान से अच्छी तरह वाकिफ हों। इसके अलावा सरकारी पत्रकारों से भी पार्टी के इतिहास को बिगाड़ने और बदनाम करने वाली प्रवृत्ति का विरोध करने को कहा गया। माओ के समय की तरह शी जिनपिंग के समय में भी कुछ लोगों ने विरोध में आवाज उठाना जारी रखा। जैसा कि जॉनसन लिखते हैं कि सच्चाई यह है कि स्वतंत्र विचार चीन में रहते हैं और इसे कुचला नहीं गया है।ङ्ग कुछ लेखक, पत्रकार, कलाकार और फिल्म निर्माता यह दिखाना जारी रखेंगे कि पार्टी हमेशा नहीं जीतती।ङ्ग इस पुस्तक में लोगों के बारे में पढ़ते हुए मैं उनके नैतिक और शारीरिक साहस से प्रभावित हुआ, लेकिन साथ ही उनकी बौद्धिक स्पष्टता से भी। एक महिला लेखिका जियांग जू कम्युनिस्ट चीन में इतिहास के बारे में यह कहती हैं कि ङ्गहमें इतिहास को फिर से लिखना चाहिए। लेकिन इतिहास घटित हो चुका है। अगर यह एक उपन्यास है तो आप इसे फिर से लिख सकते हैं। लेकिन अगर यह इतिहास है तो आप इसे कैसे फिर से लिख सकते हैं विवेक वाला कोई भी व्यक्ति फिर से लिखे गए इतिहास को अस्वीकार कर देगा।किताब में एक अन्य पात्र झांग शिहे नामक एक पुरुष पत्रकार कहता है, मैं जैसा लिखता हूं, वैसा ही करता हूं, क्योंकि मैं उन लोगों में से एक हूं, जो यह सब देखकर क्रोधित हो जाता है और मुझे बोलना पड़ता है।ङ्ग किताब में ही तीसरे पात्र के रूप में शिक्षाविद चेन होंगू विडंबनापूर्ण ढंग से पूछते हुए दिखते हैं, ङ्गक्या हमारे युग की यही राजनीति है, जहां पागल लोग अंधे को रास्ता दिखाते हैं?ङ्ग और अंत में फिर से जियांग जू है, जो एक ऐसे मित्र को जवाब दे रही है, जिसने उससे कहा था कि उसका काम व्यर्थ और अप्रासंगिक है और कम्युनिस्ट चीन जैसे कड़े नियंत्रण वाले तानाशाही में इसका कोई प्रभाव नहीं हो सकता- लेकिन मैं असहमत हूं। अगर आप कोशिश करते हैं तो यह मायने रखता है। मैं एक असामान्य समाज में एक सामान्य व्यक्ति बनना चाहती हूं। मैं सच्ची बातें कहने और दिल की बात व्यक्त करने में सक्षम होना चाहती हूं।

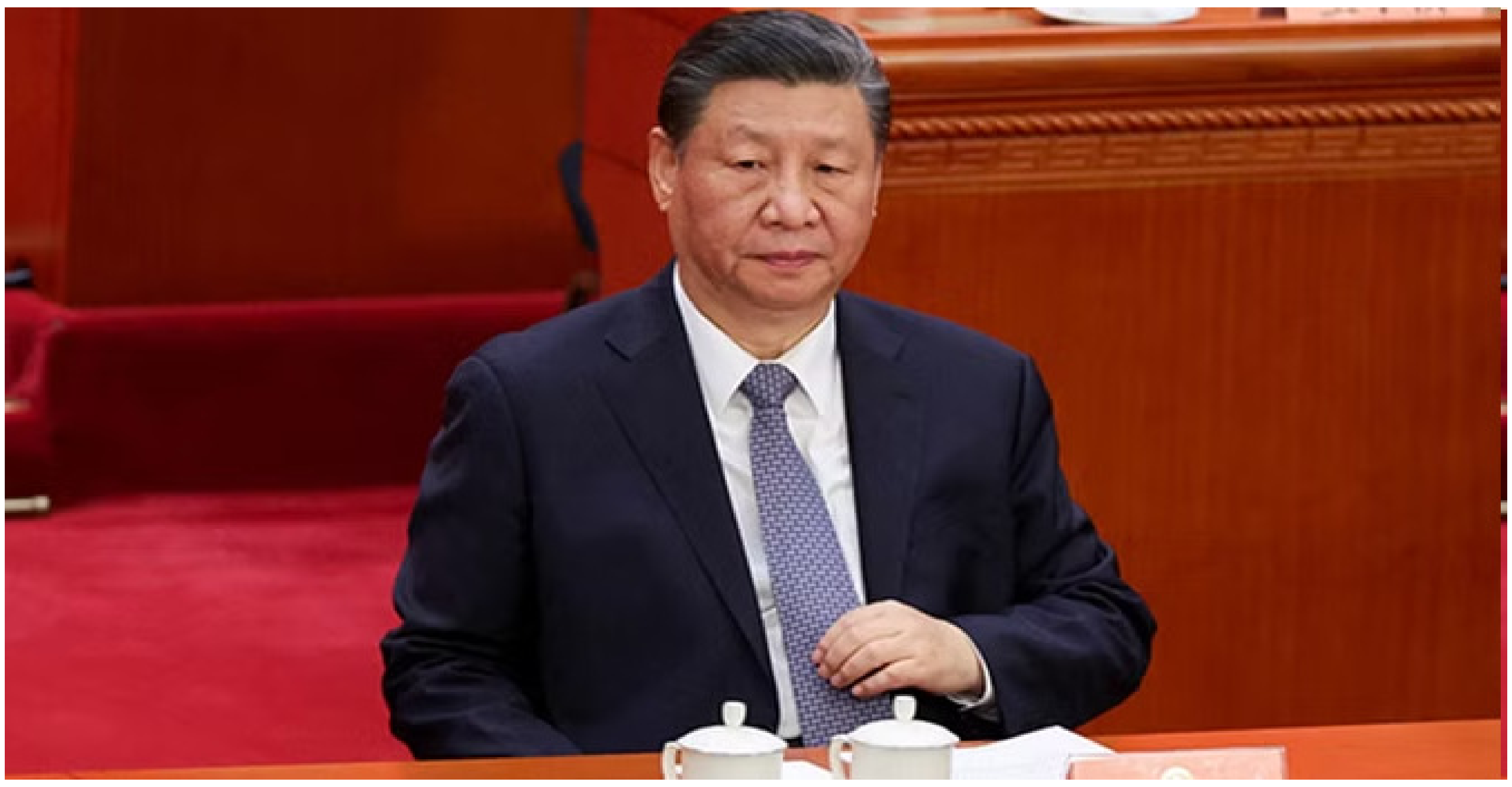

स्पोर्ट्स

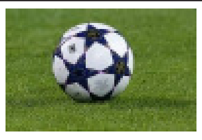
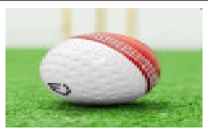
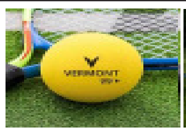
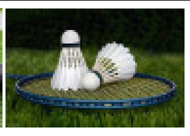

गौतम गंभीर जिस मोर्ने मॉर्कल से डरते थे उसी को अपनी टीम में किया शामिल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने अपनी टीम बना ली है जिसके साथ वह भारत को नई सफलता दिलाने की कोशिश करेंगे। हाल ही में गंभीर की टीम के नए सदस्य का एलान हुआ। साउथ अफ्रीका के दिग्गज गेंदबाज मोर्ने मॉर्कल को गंभीर के कहने पर भारतीय क्रिकेट टीम का नया गेंदबाजी कोच नियुक्त किया गया है। इसी के साथ गंभीर का मॉर्कल को लेकर एक पुराना बयान वायरल हो रहा है। बीसीसीआई ने हाल ही में साउथ अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मॉर्ने मॉर्कल को टीम इंडिया का नया हेड कोच नियुक्त किया है। इसके बाद भारत के हेड कोच गौतम गंभीर का मॉर्कल को दिया पुराना बयान वायरल हो रहा है जिसमें गभीर बता रहे हैं कि वह मॉर्कल को खेलना बिल्कुल पसंद नहीं करते थे। वही गंभीर अब मॉर्कल के साथ मिलकर काम करेंगे। गंभीर आईपीएल में जब कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान थे तब मॉर्केल को टीम में लेकर आए थे। इसके बाद जब वह लखनऊ सुपर जायंट्स के मेंटॉर थे तब भी मॉर्केल को फ्रेंचाइजी का गेंदबाजी कोच बनाया था। अब जब वह टीम इंडिया के हेड कोच बने तो मॉर्केल को एक बार फिर अपने साथ ले आए। मॉर्केल जैसे ही टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच बने उसके बाद से ही गंभीर का मॉर्केल को लेकर एक पुराना बयान वायरल हो रहा है जिसमें गंभीर कह रहे हैं कि उन्होंने जितने भी गेंदबाजों को खेला है उनमें से मॉर्केल काफी खतरनाक थे। गंभीर ने ये बात मशहूर एंकर और ब्रॉडकास्टर गौरव कपूर को दिए इंटरव्यू में कही। गौरव कपूर ने जब गंभीर से पूछा कि आपने जितने गेंदबाजों को खेला उनमें से सबसे खतरनाक कौन था इस पर गंभीर ने बिना रुके कहा, मॉर्ने मॉर्केल, साउथ अफ्रीका। इसलिए मैं उन्हें केकेआर में लेकर आया था। क्योंकि मैं उन्हें काफी मुश्किल गेंदबाज मानता हूं। जब वह दिल्ली के लिए खेल रहे थे और मैं उनका सामना करता था तब भी मुझे लगता था कि काश हमारे पास मॉर्केल होता। मॉर्केल ने साउथ अफ्रीका के लिए 86 टेस्ट मैच खेले हैं जिनमें 309 विकेट अपने नाम किए हैं। वहीं दाएं हाथ के इस गेंदबाज ने अपने देश के लिए 117 वनडे मैचों में 188 विकेट लिए हैं। टी20 में भी मॉर्केल का जलवा रहा है। उन्होंने 44 टी20 मैच खेले और 47 विकेट अपने नाम किए हैं।

कल होगा दिल्ली प्रीमियर लीग का आगाज, ओपनिंग सेरेमनी में रैपर बादशाह और अभिनेत्री सोनम बाजवा जमाएंगे रंग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के अरुण जेटली स्टेडियम में कल से दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) का शुभारंभ होने जा रहा है। लीग का उद्घाटन कार्यक्रम शाम को साढ़े पांच बजे से शुरू होगा। इसमें भारतीय रैपर बादशाह और पंजाबी अभिनेत्री सोनम बाजवा अपनी प्रस्तुति से दर्शकों का दिल जीतेंगे। लीग का समापन आठ सितंबर को होगा। लीग के पहले सत्र में कुल 40 मुकाबले खेले जाएंगे। महिलाओं के मुकाबले भी होंगे। पुरुष वर्ग में 33 और महिला वर्ग में सात मुकाबले खेले जाएंगे। सभी मुकाबले अरुण जेटली स्टेडियम में ही खेले जाएंगे। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग को डीपीएल का ब्रांड एंबेसडर घोषित किया गया है। लीग में सेंट्रल दिल्ली किंग्स, ईस्ट दिल्ली राइडर्स, वेस्ट दिल्ली लायंस, नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स, पुरानी दिल्ली-6 और साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स की टीमें भाग ले रही हैं।दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के पहले सीजन की शुरुआत कल से हो रही है। इस लीग में भारतीय टीम के कई दिग्गज सितारे खेलते हुए नजर आएंगे। पहले मैच में ऋषभ पंत और इशांत शर्मा जैसे खिलाड़ी खेलते हुए दिखेंगे। लीग की ओपनिंग सेरेमनी भी शानदार होगी। इसमें मशहूर रैपर बादशाह और अभिनेत्री सोनम बाजवा नजर आएंगी। लीग के सारे मैच अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जाएंगे। लीग के उद्घाटन मुकाबले में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स का सामना पुरानी दिल्ली-6 से होगा। मुकाबले में पुरानी दिल्ली-छह की ओर से भारतीय टीम के बल्लेबाज व विकेटकीपर ऋषभ पंत और दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा पर सबकी निगाहें होंगी। पुरानी दिल्ली-छह के मालिक आकाश नांगिया ने कहा कि वह टीम के उम्दा लाइनअप के साथ लीग को शुरू करने के लिए रोमांचित हैं। ईशांत शर्मा और ऋषभ पंत टीम को मजबूती देंगे। साथ ही इनका अनुभव युवा खिलाड.ियों के मनोबल को भी बढ़ाएगा। यह मुकाबला उद्घाटन कार्यक्रम के बाद रात साढ़े आठ बजे से खेला जाएगा पहले मैच के बाद लीग के सभी मुकाबले क्रमशः दोपहर दो बजे और शाम सात बजे हुआ करेंगे। पुरानी दिल्ली-छह टीम में ललित यादव, ईशांत शर्मा, अर्पित राणा, शिवम शर्मा, प्रिंस यादव, ऋषभ पंत, मयंक गोसाईं, सनत सांगवान, अंकित भड़ाना, युग गुप्ता, केशव दलाल, आयुष सिंह, कुश नागपाल, सुमित चिकारा, अर्नव बुग्गा, वंश बेदी, मंजीत, यश भारद्वाज, संभव शर्मा और लक्ष्मण शामिल हैं।

श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड का बड़ा फैसला, अपने ही खिलाड़ी पर लगाया बैन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। लंका प्रीमियर लीग (थ्र्झ्थ) 2024 के दौरान कथित एंटी डोपिंग उल्लंघन के बाद निरोशन डिकवेला को शुक्रवार को क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से निलंबित कर दिया गया है। श्रीलंका क्रिकेट के अनुसार, इन्वेस्टिगेशनके दौरान उन्हें अनिश्चितकालीन बैन का सामना करना पड़ सकता है। उनकी सजा की जल?द घोषणा की जा सकती है।लंका प्रीमियर लीग 2024 के दौरान कथित एंटी डोपिंग उल्लंघन के बाद निरोशन डिकवेला को शुक्रवार को क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से निलंबित कर दिया गया है। लंका प्रीमियर लीग 2024 में निरोशन डिकवेला गॉल मार्वल्स की कमान संभाल रहे थे। हाल ही में खत?म हुई लीग में उनकी फ्रेंचाइजी ने राउंड-रॉबिन फेज के अंत में पॉइंट्स टेबल में टॉप स्थान हासिल किया था।लंका प्रीमियर लीग 2024 में निरोशन डिकवेला गॉल मार्वल्स की कमान संभाल रहे थे। हाल ही में खत्म हुई लीग में उनकी फ्रेंचाइजी ने राउंड-रॉबिन फेज के अंत में पॉइंट्स टेबल में टॉप स्थान हासिल किया था। उन्होंने सीजन में खेले गए 8 में से 5 जीते और केवल 3 में हार का मुंह देखना पड़ा। क्वालीफायर 1 में उन्होंने जाफना किंग्स से बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन अहम मुकाबले में उन्हें 9 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा।टूर्नामेंट में निरोशन डिकवेला का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा और उन्होंने 10 पारियों में 18.40 की मामूली औसत से केवल 184 रन बनाए। इस दौरान उनकी स्ट्राइक रेट 153.33 रही। गॉल मार्वल्स के कप्तान ने इस दौरान 2 अर्धशतक भी लगाए।

दिल्ली प्रीमियर लीग टी20 में ऋषभ पंत मचाएंगे कोहराम, जानिए कब कहां फ्री में देख सकते हैं मैच

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग की तर्ज पर भारत में कई राज्य भी अपनी टी20 लीग शुरू कर चुके हैं। अब इस फेहरिस्त में राष्ट्रीय राजधानी का नाम भी जुड़ गया है। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ अब अपनी टी20 लीग लेकर आ रहा है। दिल्ली प्रीमियर लीग की शुरुआत 17 अगस्त से हो रही है।लीग का पहला मैच पुरानी दिल्ली-6 और साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स के बीच खेला जाएगा। इस मैच में ऋषभ पंत और इशांत शर्मा जैसे खिलाड़ी खेलते नजर आएंगे। पंत हैं तो फिर उम्मीद है कि चौके-छक्कों की बारिश होती दिखेगी।तमिल नाडु कर्नाटक जैसे राज्यों की राह पर चलते हुए अब दिल्ली ने भी अपनी टी20 लीग शुरू करने का फैसला किया है। दिल्ली प्रीमियर लीग की शुरुआत 17 अगस्त से हो रही है। लीग का पहला मैच पुरानी दिल्ली-6 और साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स के बीच खेला जाएगा। इस मैच में ऋषभ पंत और इशांत शर्मा जैसे खिलाड़ी खेलते हुए नजर आएंगे।किन टीमों के बीच खेला जाएगा दिल्ली प्रीमयर लीग का पहला मैच दिल्ली प्रीमियर लीग का पहला मैच पुरानी दिल्ली-6 और साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स के बीच खेला जाएगा। कब खेला जाएगा दिल्ली प्रीमियर लीग का पहला मैच दिल्ली प्रीमियर लीग का पहला मैच 17 अगस्त 2024 को खेला जाएगा।कहां खेला जाएगा दिल्ली प्रीमियर लीग का पहला मैच दिल्ली प्रीमियर लीग का पहला मैच अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा।कितने बजे शुरू होगा पुरानी दिल्ली-6 और साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स का पहला मैच पुरानी दिल्ली-6 और साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स का पहला मैच शाम 8:30 बजे शुरू होगा।कहां देख सकते हैं दिल्ली प्रीमियर लीग के मैच दिल्ली प्रीमियर लीग के मैच स्पोर्ट्स 18 के चैनलों पर देखे जा सकते हैं।कहां देख सकते हैं दिल्ली प्रीमियर लीग के मैचों की लाइव स्ट्रीमिंग दिल्ली प्रीमियर लीग के मैचों की लाइव स्ट्रीमिंग जियो सिनेमा पर देखी जा सकती है।

मुंबई की सड़कों पर दौड़ाते हुए नजर आए अपनी लैंबर्गिनी कार का नंबर जीत रहा फैंस का दिल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा इस समय ब्रेक पर हैं और इसका पूरा आनंद उठा रहे हैं। रोहित शर्मा मुंबई की सड़कों पर अपनी लक्जरी कार लैंबर्गिनी उरुस चलाते हुए नजर आए। रोहित शर्मा की कार की नंबर प्लेट ने फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचा। भारतीय कप्तान की नीली रंग की लैंबर्गिनी का नंबर-0264 है। यह नंबर रोहित शर्मा के वनडे प्रारूप के सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत स्कोर से प्रेरित है। हिटमैन ने 13 नवंबर 2014 को श्रीलंका के खिलाफ 264 रन की पारी खेली थी। यह वनडे इतिहास का भी सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत स्कोर है।भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा मुंबई की सड़कों पर अपनी कार लैंबर्गिनी उरुस चलाते हुए नजर आए। रोहित शर्मा की कार की नंबर प्लेट ने फैंस का आकर्षण खींचा। उनकी कार का नंबर 0264 है जो कि रोहित शर्मा का वनडे प्रारूप में सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत स्कोर भी है। रोहित शर्मा इस समय ब्रेक पर हैं अपने समय का पूरा आनंद उठा रहे हैं। रोहित शर्मा ने ईडन गार्डन्स पर अपनी बल्लेबाजी का लोहा मनवाया था। उन्होंने अपनी पारी के दौरान 33 चौके और 9 छक्के जमाए थे।

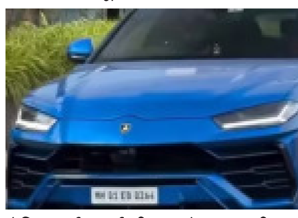

पाकिस्तान के स्टेडियमों में लगेंगी किराए पर लाइट्स, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की तैयारी के लिए पीसीबी को लेना पड़ा फैसला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पाकिस्तान में अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन किया जाना है। इसे लेकर अभी विवाद चल रहा है क्योंकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने साफ कह दिया है कि वह टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम पाकिस्तान नहीं भेजेगा। हालांकि पाकिस्तान इस बात को लेकर आश्वस्त है कि टूर्नामेंट उसी की जमीन पर होगा और इसलिए वह तैयारी में जुट गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड लाहौर और कराची के दो स्टेडियमों में नई फ्लुट लाइड्स लगाने जा रहा है।पाकिस्तान और भारत के बीच राजनीतिक संबंध अच्छे नहीं हैं। ऐसे में बीसीसीआई ने कहा है कि भारतीय सरकार की मंजूरी के बिना वह टीम इंडिया को पाकिस्तान नहीं भेजेगा। वहीं बीसीसीआई ने ये भी डिमांड रखी है कि चैंपियंस ट्रॉफी को पाकिस्तान के बजाए किसी और देश में आयोजित किया जाए।हालांकि, पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी कहीं और करने के मूड में नहीं है। उसने तैयारी शुरू कर दी है। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, पीसीबी कराची और लाहौर के स्टेडियमों में नई फ्लुड लाइट्स लगाने जा रहा है। इन दोनों स्टेडियम में पीसीबी किराए पर ये लाइट्स लगाएगा। इसके अलावा पीसीबी ने क्वेटा, एबटाबाद, पेशावर के स्टेडियमों में भी किराए पर फ्लुट लाइट्स लगाने का फैसला किया है ताकि घरेलू सीजन के मैच गर्मी में न खेलन पड़ें।पीसीबी ने फैसला किया है कि कराची में जो लाइट्स हैं वो क्वेटा भेजी जाएंगी। वहीं जो लाहौर में हैं उन्हें रावलपिंडी भेज दिया जाएगा। कराची और लाहौर में नई लाइट्स लगेंगी और इसके लिए पीसीबी ने टेंडर प्रोसेस शुरू कर दी है। पीसीबी ने किराए पर लाइट लगाने के लिए टेंडर मांगे हैं। ये टेंडर अगस्त 2024 से जुलाई 2025 तक के लिए होंगे।चैंपियंस ट्र.ॉफी को लेकर विवाद अभी खत्म नहीं हुआ है क्योंकि भारत और पाकिस्तान दोनों अपनी डिमांड पर अड़े हुए हैं। ऐसे में इस बात पर संशया है कि क्या चैंपियंस ट्रॉफी पाकिस्तान में हो भी पाएगी की नहीं क्योंकि कुछ ऐसी ही स्थिति पिछले साल एशिया कप को लेकर थी जिसका मेजबान पाकिस्तान था। बीसीसीआई ने इस टूर्नामेंट के लिए भी टीम को पाकिस्तान भेजने से मना कर दिया था।बीसीसीआई अपनी मांग पर अड़ा रहा था और फिर श्रीलंका-पाकिस्तान की संयुक्त मेजबानी में ये टूर्नामेंट खेला गया था। भारत ने अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले थे। इस बार भी भारत चैंपियंस ट्रॉफी को पाकिस्तान से बाहर आयोजित कराने की मांग कर रहा है।

राशिफल

मेष-: स्वास्थ्य संबंधी समस्या निकट है, इसलिए नियमित व्यायाम को दिनचर्या में शामिल करें और विश्वास करें कि इलाज से पहले सावधानी बरतना बेहतर है

वृष-: आज का दिन आपके लिए मंगलमय रहेगा। आज आपके रचनात्मक कार्यों में नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी। आज आप अपने मन के अनुसार निर्णय लेंगे।

मिथुन-: आज का दिन भावनात्मक रहेगा. आप खुद को अपनी अंतरतम भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने की स्थिति में भी पा सकते हैं। घरेलू काम थकाने वाले होंगे।

कर्क-: जीवनसाथी का प्यारा व्यवहार आपका दिन खुशनुमा बना सकता है. आज अपने ख़र्चों पर नियंत्रण रखें से ख़र्च करने से बचें। भावनात्मक रूप से जोखिम उठाना आपके पक्ष में जाएगा।

सिंह-: आज आप जिस काम को पूरा करना चाहते हैं वह आसानी से पूरा हो जाएगा. किसी महत्वपूर्ण कार्य के पूर्ण होने पर बधाई देने के लिए लोगों का आना-जाना रहेगा।

कन्या-: आज आप सभी परेशानियों और चिंताओं को पीछे छोड़कर अपने परिवार के साथ कुछ समय बिताना चाहेंगे. आज आपका जाता हुआ दिखाई देगा जिसके बारे में आपने सोचा भी नहीं होगा।

तुला-: किसी मित्र की उदासीनता आपको परेशान करेगी. लेकिन अपने आप को शांत रखें। इसे समस्या न बनने दें और इससे बचने की कोशिश करें।

वृश्चिक-: आज भाग्य आपका पूरा साथ देगा। जिन चीजों के लिए आप लंबे समय से प्रयास कर रहे थे, आज वो पूरी होने वाली हैं। जो प्रयास आपने अपनी ओर से व्यर्थ समझे थे।

धनु-: आज भौतिक सुख-सुविधाओं की ओर रुझान बढ़ेगा. जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद रहेंगे। आत्मबल में वृद्धि होगी। पारिवारिक समस्याओं से आज विचलित हो सकता है।

मकर-: खुद पर हद से ज्यादा दबाव न डालें और पर्याप्त आराम करें. रियल एस्टेट से जुड़े निवेश आपको अच्छा मुनाफा देंगे। आपका अडियल रवैया घर में लोगों का दिल दुखा सकता है।

कुंभ-: आज आपका झुकाव अध्यात्म की ओर रहेगा, मंदिर जाने या कोई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना सकते हैं. आज आपको खुशी पाने के लिए अपने स्वभाव में थोड़ा लाने की जरूरत है।

मीन-: आज आपको कार्यक्षेत्र में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होगी. परिवार और जीवन साथी का सहयोग मिलने की संभावना है। हालांकि छात्रों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़

अगले ओलंपिक में भारत भी साइकिलिंग में पेश कर सकता है दावेदारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारत भले पेरिस ओलंपिक में साइकिलिंग में क्वालीफाई नहीं कर सका हो, परंतु 2028 में लॉस एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक में वह दावेदारी अवश्य पेश कर सकता है। यह मानना है युनियन साइकलिस्ट इंटरनेशनल (यूसीआइ) के विश्व साइकिलिंग केंद्र के निदेशक जैक्स लांद्री का, जिन्होंने विशेष बातचीत में बताया कि भारत में साइकिलिंग के विकास की प्रबल संभावना है। विशेषकर बीएमएक्स रेसिंग स्पर्धा में जो युवा एथलीटों को बहुत आकर्षित करता है। भारत भले पेरिस ओलंपिक में साइकिलिंग में क्वालीफाई नहीं कर सका हो परंतु 2028 में लॉस एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक में वह दावेदारी अवश्य पेश कर सकता है। यह मानना है युनियन साइकलिस्ट इंटरनेशनल (यूसीआइ) के विश्व साइकिलिंग केंद्र के निदेशक जैक्स लांद्री का जिन्होंने विशेष बातचीत में बताया कि भारत में साइकिलिंग के विकास की प्रबल संभावना है।

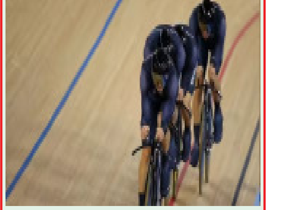

शमार जोसेफ का 'पंजा' पड़ा साउथ अफ्रीका पर भारी, मार्करम-बावुमा की कर दी बोलती बंद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के गढ़ कहे जाने वाले गाबा मैदान पर वेस्टइंडीज के तूफानी गेंदबाज शमार जोसेफ ने कहर बरपाते हुए कंगारुओं को नतमस्तक कर खूब सुखियां बटोरी थीं। जोसेफ ने अब साउथ अफ्रीका के सामने भी कुछ उसी तरह का प्रदर्शन किया है। जोसेफ ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ प्रोविडेंस में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में अपनी गेंदबाजी से कहर बरपाया है और पंजा खोल दिया। वेस्टइंडीज के युवा तेज गेंदबाज शमार जोसेफ अपने घर प्रोविडेंस स्टेडियम में पहला टेस्ट मैच खेल रहे हैं और इस मैच की पहली पारी में ही दाएं हाथ के गेंदबाज ने जो कहर ढाया है उसने साउथ अफ्रीका को दबाव में ला दिया। जोसेफ की गेंदबाजी के कारण साउथ अफ्रीका बड़ा स्कोर नहीं कर सकी और पहली पारी में 160 रनों पर ही ढेर हो गई। दसाउथ अफ्रीका की टीम इस मैच की पहली पारी में महज 160 रन बनाकर आउट हो गई। टीम की इस बुरी हालत के लिए जोसेफ की गेंदबाजी जिम्मेदार रही। जोसेफ ने साउथ अफ्रीका के पांच बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया। दाएं हाथ के गेंदबाज ने 14 ओवर गेंदबाजी की जिसमें 33 रन देकर पांच विकेट अपने नाम किए। जोसेफ ने साउथ अफ्रीका के दो अहम बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया। इसमें टीम के ओपनर एडेन मार्करम और कप्तान टेम्बा बावुमा के नाम शामिल हैं। जोसेफ ने मार्करम को आउट कर अपना खाता खोला। 11वें ओवर की तीसरी गेंद पर जोसेफ ने मार्करम को बोल्ड कर दिया। बॉवल सीम से पटकी गेंद पर जोसेफ ने मार्करम के डंडे उड़ा दिए और अपने घर पर अपना पहला टेस्ट विकेट हासिल किया। इसी ओवर की पांचवीं गेंद पर जोसेफ ने साउथ फ्रीका के कप्तान बावुमा को आउट कर दिया। गेंद ऑफ स्टंप के बाहर थी और वहीं से अंदर आकर सीधे बावुमा के पैड पर लगी। गेंद नीची रही इसलिए बावुमा इसे सही से खेल नहीं पाए और पैड पर खा बैठे। वेस्टइंडीज ने अपील की जो सफल रही और बावुमा को बिना रन बनाए लौटना पड़ा। मार्करम ने 30 गेंदों पर 14 रन बनाए थे। इसके बाद जोसेफ ने डेविड बेडिंघम (28), काइल वेरीयेने (21)और फिर केशव महाराज को पवेलियन की राह दिखाई।

सेक्टर-51 डायमंड क्राउंड बैंक्वेंट में स्वतंत्रता दिवस का भव्य आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल ने बृहस्पतिवार को सेक्टर 51 स्थित डायमंड क्राउंड बैंक्वेंट के गोल्डन हॉल में एक भव्य आयोजन किया गया। सभी उपस्थित सदस्यों ने राष्ट्रगान गाया और देश की एकता और अखंडता की शपथ ली। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के चेयरमैन और प्रमुख उद्योगपति सुनील गुप्ता ने की। उन्होंने कहा कि यह दिन हमें अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का भी अहसास कराता है। स्वतंत्रता दिवस न केवल एक उत्सव है, बल्कि यह हमें अपनी आजादी की कीमत, जिम्मेदारियों और देशभक्ति की भावना का स्मरण भी कराता है।इस समारोह में हमारे नोएडा के लोकप्रिय सांसद, चेयरमैन हाउस कमेटी एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री, भारत सरकार, डॉ महेश शर्मा ने कहा स्वतंत्रता दिवस हमें देश की एकता और अखंडता की याद दिलाता है और हमें देश की उनन्ति के लिए प्रेरित करता है। विधायक पंकज सिंह ने कहा स्वतंत्रता की इस दिव्य अवस्था में हमें अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का भी ध्यान रखना चाहिए। आज़ादी का अर्थ है अपने सपनों को पूरा करने की आज़ादी, लेकिन इसके

साथ ही हमें अपने देश की उनन्ति के लिए भी काम करना चाहिए। फेलिक्स अस्पताल के चैयरमैन डॉ. डी.के गुप्ता ने स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने इस दिन को देश के लिए गौरवपूर्ण बताते हुए कहा कि यह हमें हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों की याद दिलाता है और हमें प्रेरित करता है कि हम देश की उनन्ति और विकास के लिए हमेशा तत्पर रहें। इस समारोह में पुलिस प्रशासन से शक्ति मोहन अवस्थी डीसीपी सेंट्रल, जीएसटी विभाग से संजय कुशवाहा एडिशनल कमिशन्र,नोएडा अथॉरिटी से ए. सी. ई. ओ सतीश पाल , नोएडा सिटी मजिस्ट्रेट विवेकानंद इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप मे सम्मिलित हुए। साथ ही राजकुमार चौधरी, योगेंद्र शर्मा , सूर्यकांत शर्मा , डॉ वी के गुप्ता , डॉ डीके गुप्ता , धर्मपाल गोयल , सतनारायण गोयल , रामनिवास बंसल , पी एस जैन , राधा कृष्ण गर्ग , मूलचंद अवाना , पीयूष द्विवेदी, डॉ रश्मि गुप्ता, अजय बाथला , प्रवीण भारद्वाज , संजीव मादरा , राजेश राजोरा, एडवोकेट मनोज गुप्ता, मनोज कटारिया समेत नोएडा की विभिनन्‍ संस्थाओं के अध्यक्ष एवं प्रमुख उद्योगपति मुख्य रूप से सम्मिलित रहे! समारोह का संचालन अमित अग्रवाल वरिष्ठ महासचिव द्वारा किया गया व्यापार मंडल से सुधीर पोरवाल अध्यक्ष, नरेश बंसल कोषाध्यक्ष, अमित पोरवाल महासचिव, राहुल भाटिया महासचिव, फूल सिंह यादव संगठन महामंत्री, मनोज गुप्ता वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उपाध्यक्ष रमाकांत गर्ग, गोविंद अग्रवाल, मनोज गोयल, विक्रम सेठी, रणपाल अवाना, नवीन पोरवाल, शैलेंद्र पोरवाल, आशा पोद्दार, इंदु यादव, उषा थापा, योगिता मल्होत्रा, मधु सिंह, निमिषा नेगी, पूजा अवाना, रिहाना अली, रेनू बाला शर्मा, कुसुम पथरिया, ममता तिवारी, सोना चौधरी, रश्मिता साहू सभी पदाधिकारी एवं सदस्य तथा नोएडा सभी गणमान्य भारी संख्या में इस समारोह में सम्मिलित हो गर्व के साथ स्वतंत्रता दिवस को मनाया! स्वतंत्रता दिवस भारत का एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्व है, जो हर वर्ष 15 अगस्त को मनाया जाता है। इस दिन 1947 में भारत को ब्रिटिश साम्राज्य से स्वतंत्रता मिली थी। यह दिन हमारे देश की स्वतंत्रता के लिए हुई संघर्ष और बलिदान का प्रतीक है। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने देश की आज़ादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी, और इस दिन को मनाकर हम उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। स्वतंत्रता दिवस हमें अपने देश की एकता और अखंडता की याद दिलाता है। यह दिन सभी भारतीयों को एकजुट होकर अपने देश की तरक्की और भलाई के लिए काम करने की प्रेरणा देता है। इस दिन को मनाने के साथ ही हम अपने संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान भी करते हैं। स्वतंत्रता का अर्थ केवल भौगोलिक आज़ादी नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्वतंत्रता भी है। स्वतंत्रता दिवस पर हम अपनी सांस्कृतिक विविधता और धरोहर का जशन्‍ मनाते हैं। यह दिन हमारे भारतीय पहचान को मजबूती प्रदान करता है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हम अपने देश की प्रगति और विकास के लिए नये संकल्प लेते हैं। इस समारोह का आयोजन उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के साथ सेंट्रल मार्केट सेक्टर 50, अखिल भारतीय अग्रवाल वैश्य मित्र मंडल एवं फेलिक्स हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वाधान में किया गया!

ग्लोबल वार्मिंग की चुनौतियों से निपटने में सहायक है नैनो यूरिया प्लूस व डीएपी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। इफको मुख्यालय दिल्ली से फूलपुर आए निदेशक मानव संसाधन एवं लीगल आरपी सिंह ने कहा कि जब देश आजाद हुआ था तो हमारे लिए सबसे बड़ा संकट खाद्यान का संकट था। लेकिन हरित क्रांति एवं आधुनिक खाद के उपयोग से आज हम कृषि आत्मनिर्भर देश है। मौजूदा समय में पर्यावरण, मिट्टी की गुणवत्ता, ग्लोबल वार्मिंग के संकट से देश जूझ रहा है। इफको के नए उत्पाद नैनो यूरिया प्लूस एवं नैनो डीएपी इन चुनौतियों से निपटने में सहायक है। यह नैनो उर्वरक समय के साथ बदलाव की मांग भी है। आने वाले समय में यह मील का पत्थर साबित होगा। यह बातें इफको मुख्यालय दिल्ली से फूलपुर आए निदेशक मानव संसाधन एवं लीगल आरपी सिंह ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि जब देश आजाद हुआ था तो हमारे लिए सबसे बड़ा संकट खाद्यान का संकट था। लेकिन हरित क्रांति एवं आधुनिक खाद के उपयोग से आज हम कृषि आत्मनिर्भर देश है। अब हम एक दूसरे संकट ग्लोबल वार्मिंग से जूझ रहे हैं। नैनो यूरिया प्लूस और डीएपी इसका विकल्प होगी। निदेशक आरपी सिंह स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण के बाद कहा कि आजादी मिलना एक बात है, लेकिन उसे कायम रखना उससे भी बड़ी बात है।इस अवसर पर केन्द्रीय विद्यालय एवं ओम बाल विद्या मंदिर के बच्चों द्वारा विभिनन्‍ प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इफको में सुझाव योजना के तहत विजेता कर्मचारियों, मेधावी छात्र-छात्राएं एवं स्थानीय ग्राम प्रधानों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक संजय कुदेशिया ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि. 1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादकः-डा. दीपक अरोरा
मो0न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
डाक पंजीयन नं. 99/2018-20
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।